▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 175 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 20-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि

24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें

www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्ता -
नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

माहेश्वरी सभा के साउथ व नार्थ जोन ने वृद्धाश्रम व अनाथालय में किया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मकर संक्रांति और मोनी अमावस्या के अवसर पर सामाजिक सेवा के अंतर्गत माहेश्वरी सभा साउथ जोन के सदस्यों ने रविवार को कनकपुरा ग्रामीण क्षेत्र स्थित सद्गुरु साईं वृद्धाश्रम एवं अनाथालय में रह रहे 30 वृद्ध एवं 15 अनाथ बच्चों के लिए आवश्यक सामग्री का वितरण किया। इस सेवा में सदस्यों ने वरिष्ठ नागरिकों के आराम करने के लिए 15 लोहे के पलंग व पूर्ण बिस्तर सेट, कपड़े रखने के लिए 6 अलमारी, बर्तन एवं 6 स्टील फोल्डिंग टेबल सहित 151 किलो कुल राशन सामग्री भेंट की। बच्चों को खेलकूद के लिए बैट, बॉल, चैस, फुटबॉल, टॉय कार आदि भी भेंट किए।

माहेश्वरी सभा बेंगलूरु के संगठन मंत्री विनीत कुमार बियानी ने सभी सदस्यों द्वारा सेवा सहयोगी अनुराधा साबू फाउंडेशन और दिनेश राठी परिवार के सहयोग की सराहना की। इस सेवा कार्यक्रम में साउथ जोन के सचिव सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अन्य कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा नार्थ जोन के सदस्यों ने भी आरटीनगर स्थित सुमंगली सेवा आश्रम में जरूरत के हिसाब से 100 किलो अनाज, बुजुर्ग महिलाओं के लिए कपड़े, दवाइयां, बिस्कुट और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की। सदस्यों ने 70 युवतियों की शिक्षा के लिए समर्थन देने की घोषणा की। अंत में सभी को नाश्ता परोसा गया। इस सेवा कार्य में नॉर्थ जोन के सचिव सुनील सारड़ा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का किया गया आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शीला कोठावाला इंस्टीट्यूट फॉर दि डेफ में रविवार को विजय संभव फाउंडेशन ने कावेरी हॉस्पिटल्स व अलोका विज़न प्रोग्राम के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में श्रवण बाधित विद्यार्थियों के लिए सामान्य चिकित्सकीय परामर्श, बीएमआई जांच तथा नेत्र परीक्षण की सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। कावेरी हॉस्पिटल्स के चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जांच की जबकि अलोका विज़न प्रोग्राम की टीम ने नेत्र जांच की। फाउंडेशन की ओर से 25 से अधिक विद्यार्थियों को नि:शुल्क चश्मे प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में न्यू होराइजन गुरुकुल स्कूल के छात्रों द्वारा संस्थान की लाइब्रेरी के लिए कहानी पुस्तकों का दान किया गया। शिविर में फाउंडेशन के अध्यक्ष रवि राजहंस सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। वीएसएफ मेंबर्स के लिए यह अनुभव भावनात्मक रहा, जिसने यह संदेश दिया कि संवाद के लिए शब्दों की नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और करुणा की आवश्यकता होती है।

कश्मीरी पंडितों का उनके घर पर हमेशा स्वागत है : फारुक अब्दुल्ला

जम्मू/भाषा

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि विस्थापित कश्मीरी पंडितों का घाटी में अपने घर लौटने का हमेशा स्वागत है।विस्थापित समुदाय ने जम्मू में अपने पलायन की 36वीं बरसी मनाई और अपनी वापसी तथा पुनर्वास पर एक व्यापक नीति की मांग को दोहराया।हालांकि, कश्मीरी पंडितों के वर्तमान में देश के अन्य हिस्सों में नए सिरे से जिंदगी की शुरुआत करने का हवाला देते हुए फारुक अब्दुल्ला ने इस बात को लेकर संदेह जताया कि क्या समुदाय अब वापस आना चाहेगा?

इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व ने हमेशा घाटी में कश्मीरी पंडितों की वापसी और पुनर्वास का समर्थन किया है क्योंकि कश्मीर इस समुदाय के बिना अधूरा है। कश्मीरी पंडित 19 जनवरी को 'नरसंहार दिवस' के रूप में मनाते हैं। यह दिन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा दी गई धमकियों और हत्याओं के कारण कश्मीर घाटी से कश्मीरी पंडितों के 1990 में हुए पलायन की याद दिलाता है।

समुदाय के सदस्यों ने घाटी के भीतर अपने लिए एक अलग भू-भाग समेत अपनी अन्य मांगों को लेकर यहां विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन भी किए।

यहां नेकां के दो दिवसीय कार्यक्रम से इतर अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि कई कश्मीरी पंडित परिवारों ने घाटी को नहीं छोड़ा तथा अपने गांवों और इलाकों में शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। घाटी में वापस लौटने एवं पुनर्वास के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, वे (कश्मीर) कब लौटेंगे? उन्हें कौन रोक रहा है? कोई उन्हें नहीं रोक रहा है। उन्हें वापस आना चाहिए, क्योंकि यही उनका घर है। कई कश्मीरी पंडित वर्तमान में घाटी में रह रहे हैं और उन्होंने अपने गांव नहीं छोड़े हैं।

'यूथ 4 पनुन कश्मीर' के बैनर तले सैकड़ों कश्मीरी पंडितों ने रविवार शाम जगती कैंप के पास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। वे घाटी में अपनी वापसी के लिए एक अलग क्षेत्र की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कश्मीरी पंडितों का नरसंहार होने की बात स्वीकार करने संबंधी विधेयक को संसद में पारित करने की मांग भी की। विस्थापित कश्मीरी पंडितों की मांगों के बारे में पूछे जाने पर, अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया था कि सरकार उनके लिए आवास का निर्माण कराएगी और आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के जाने के बाद, इस प्रस्ताव का कार्यान्वयन करना केंद्र सरकार के हाथ में था।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि नेकां के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घाटी में कश्मीरी पंडितों की वापसी और पुनर्वास का हमेशा समर्थन किया है।

'ऑल स्टेट कश्मीरी पंडित कॉन्फ्रेंस' (एएसकेपीसी) के महासचिव पी.के. रैना ने बताया कि समुदाय पिछले 36 वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है।

यहां हो रहे विरोध प्रदर्शनों में से एक का नेतृत्व करते हुए रैना ने कहा, हम यहां अपनी मातृभूमि में सम्मानजनक वापसी और पुनर्वास का मार्ग प्रशस्त करने वाली नीति की मांग को दोहराने के लिए एकत्रित हुए हैं। हमने आतंकवादी हमलों में अपनी जान गंवाने वाले सभी समुदाय के सदस्यों को श्रद्धांजलि भी दी।

गौ सेवा हम सभी का प्रथम कर्त्तव्य होना चाहिए : महेन्द्र मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माधव सेवा संघ एवं सर्व समाज गौभक्त मंडल द्वारा चंदापुर स्थित नंदा नंदी गौशाला में मौनी अमावस्या के प्रसंग पर गौ महिमा भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी महेंद्र मुणोत ने कहा कि प्रकृति का स्वभाव परोपकार है। जिस प्रकार वृक्ष हमें फल देते हैं, नदियां हमें जल देती हैं, ठीक उसी तरह गाय हमें दूध देती है। गोमूत्र संजीवनी औषधि है। गाय का गोबर धरती को उपजाऊ बनता है। गाय की उपयोगिता को देखते हुए भारत सरकार को चाहिए की गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दे। गौ सेवा हम सभी का प्रथम कर्त्तव्य होना चाहिए। कार्यक्रम में शिव गौ सेवा मंडल एवं विभिन्न गौ सेवा संगठन के गौ सेवक उपस्थित थे। गौशाला के प्रमुख रमाकांत ने अतिथि, कलाकार एवं दानदाताओं का सम्मान किया। कार्यक्रम में राजस्थान से आए भजन कलाकार ओम मुंडेल ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर गौ भक्त देर रात तक झूमते रहे। कार्यक्रम का संचालन मोहन सीरवी ने किया।

दादा गुरुदेव इकतीसा का जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा मलयप्रभसागरजी व मुकुलप्रभसागर जी की प्रेरणा से हर घर इकतीसा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि मंडल के सदस्यों ने रविवार को इकतीसा पाठ का आयोजन बाबूलाल, गौतमकुमार ललवानी परिवार के निवास स्थान पर किया।

कार्यक्रम में गायक सनी रांका, नितेश बोहरा, जीतू झाबक, पारस पारख, मनन बोहरा, अर्चित पारख, अभिषेक पारख के साथ मंडल के अनेक सदस्यों ने परमात्मा और गुरुदेव के भावपूर्ण गीतों की प्रस्तुति दी।

रैली

अगरतला में सोमवार को कोकबोरोक डे सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर पारंपरिक त्रिपुरी कपड़ों में स्टूडेंटस एक रैली में हिस्सा लेते हुए।

नौसेना प्रमुख युवाओं से बोले- आप 'विकसित भारत' के अभिनेता, निर्देशक और दर्शक होंगे

नई दिल्ली/भाषा

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने सोमवार को 'विकसित भारत' के निर्माण में देश के युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि इस यात्रा में वे इसके अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और कई बार दर्शक भी होंगे।

यहां राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेट की एक सभा को संबोधित करते हुए, त्रिपाठी ने कड़ी मेहनत और लगन के महत्व पर जोर देने के लिए टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर का उदाहरण दिया और साहस के महत्व को समझाने के लिए 1971 के युद्ध में सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के शौर्य और बलिदान को याद किया।

नौसेना प्रमुख ने युवाओं से आत्म-अनुशासन और टीम वर्क के मूल्यों को आत्मसात करने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता से कोई संगठन या राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता। एडमिरल ने कहा, यदि आप इस टीम भावना और युवा ऊर्जा को एकता और उद्देश्य के साथ जोड़ सकते हैं, तो यह 2047 तक विकसित भारत बनने के हमारे राष्ट्र के लक्ष्य में एक प्रेरक शक्ति बन जाएगी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा वर्ग की है, इसलिए 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में उन्हें आगे आना होगा। उस समय तक उनमें से अधिकांश की उम्र 37-40 साल होगी।

नौसेना प्रमुख ने कहा, इसलिए, अगर मैं 'विकसित भारत' के निर्माण को एक फिल्म के निर्माण के समान देखूं तो आप इस यात्रा में इसके अभिनेता, अभिनेत्री, निर्माता, निर्देशक और कई बार इसके दर्शक भी होंगे। उन्होंने कहा कि आपको व्यक्तिगत लाभों से ऊपर उठना होगा। उन्होंने यह भी कहा, इसमें मेरा क्या फायदा है? वाली मानसिकता को अपने शब्दकोश से बाहर कर देना चाहिए।

महापुरुषों के गुणों को याद करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : ज्ञानमुनि

श्रीरामपुरम में मनाई गई संतद्वय की पुण्यतिथि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्रीरामपुरम में विराजित ज्ञानमुनिजी ने श्रमण संघ के प्रथम आचार्य आत्मारामजी एवं कर्नाटक गज केशरी गणेशीलालजी की पुण्यतिथि के अवसर पर उपस्थित श्रावकों से कहा कि महान आचार्यों के गुणों को याद करना एवं इनका अनुसरण करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होती है। उन्होंने कहा कि इंसान गुणों से पूजा जाता है, वेश धारण करने से या उम्र से कोई बड़ा नहीं होता अपितु गुणी-ध्यानी को लंबे समय तक याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि सद्गुरुनाथ की आत्मा अपने आप में पूर्णता की भंडार थी। सादगी से पूर्ण गणेशीलालजी ने हमेशा जाप-तपस्या व खादी के उपयोग की हमेशा प्रेरणा दी। गौ सेवा को उन्होंने सर्वोपरि बताया। आचार्य आत्मारामजी को याद करते हुए ज्ञानमुनिजी ने कहा कि यह उनकी साधना, स्वाध्याय एवं ज्ञान का प्रभाव ही था कि बड़े से बड़े संत उनके सान्निध्य को लालायित रहते थे। वो अपनी विद्वता एवं प्रतिभा से आचार्य पद तक पहुंचे।धर्मसभा में साध्वी रिद्धिश्री व सिद्धिश्रीजी ने बताया कि साधु, साध्वी, श्रावक एवं श्रावक धर्म संघ के चार स्तंभ होते हैं जो धर्म की रक्षा के साथ धार्मिक गतिविधियों के सतत संचालन का जिम्मा निभाते हैं।तपस्वी आत्माओं की पुण्यतिथि पर उनको याद करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि महान व्यक्तियों की कीर्ति कभी नहीं जाती, आज वो तन से हमारे बीच नहीं है परंतु लाखों भक्तों के मन में बस गए हैं। धार्मिक सभा का संचालन करते हुए श्रीरामपुरम संघ के प्रमुख मार्गदर्शक शांतिलाल खिंवेसरा ने संतों का महिमा मंडन किया। अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री अशोक गुगलिया ने भी संतों के गुणों का स्मरण किया। मंत्री सिद्धार्थ बोहरा के साथ अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाएं संभाली।

उच्चतम न्यायालय ने त्योहारों के दौरान हवाई किराए में अत्यधिक वृद्धि पर चिंता जताई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने त्योहारों के दौरान हवाई किराए में होने वाली अत्यधिक वृद्धि पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि वह इस संबंध में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को लेकर हस्तक्षेप करेगा।न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए विमानन कंपनियों द्वारा हवाई किराए में अत्यधिक वृद्धि को शोषण करार दिया और केंद्र सरकार तथा नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अपना जवाब दाखिल करने को कहा। याचिका में निजी विमानन कंपनियों के हवाई किराए और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए बाध्यकारी नियामक दिशानिर्देशों का अनुरोध किया गया है।

पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक से कहा, हम निश्चित रूप से हस्तक्षेप करेंगे। कुंभ और अन्य त्योहारों के दौरान यात्रियों के शोषण को ही देख लीजिए। दिल्ली से प्रयागराज और जोधपुर के किराए पर नजर डालिए।'' न्यायमूर्ति मेहता ने अदालत में मौजूद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि हो सकता है अहमदाबाद के हवाई किराए में वृद्धि न हुई हो, लेकिन जोधपुर जैसे अन्य गंतव्यों के लिए किराए में भारी वृद्धि हुई है। केंद्र की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए कौशिक द्वारा समय मांगे जाने के अनुरोध के बाद, शीर्ष अदालत ने मामले में आगे की सुनवाई के लिए 23 फरवरी की तारीख तय की। पिछले साल 17 नवंबर को, शीर्ष अदालत ने सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा था, जिन्होंने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले एक मजबूत और स्वतंत्र नियामक की स्थापना का अनुरोध किया।

रिहर्सल

नई दिल्ली में इंडिया गेट के पास रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन से पहले रिहर्सल के दौरान आर्टिस्ट ट्रेडिशनल मास्क पहने हुए।

मैंने किसी भी समुदाय के खिलाफ कुछ नहीं कहा, सब 'दुष्प्रचार' है : चन्नी

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने किसी विशेष जाति या समुदाय के खिलाफ कोई बात नहीं कही। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है।

जालंधर से कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्होंने हमेशा समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है और एकता में विश्वास रखते हैं। चन्नी की यह टिप्पणी कुछ समाचार खबरों के बाद सामने आई है। मीडिया के एक वर्ग में प्रकाशित खबरों में बताया गया था कि चन्नी ने शनिवार को पार्टी की अनुसूचित जाति (एससी) शाखा की बैठक के दौरान कांग्रेस की राज्य इकाई में दलितों के उचित प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाया था। बैठक में कांग्रेस के एससी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेंद्र गौतम भी उपस्थित थे। चन्नी ने कहा, पिछले एक-दो दिनों से सोशल मीडिया और टेलीविजन चैनलों पर मेरे खिलाफ झूठा दुष्प्रचार चलाया जा रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि मैंने किसी जाति या समुदाय के खिलाफ बात की है। कांग्रेस नेता ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैंने कहीं भी किसी के खिलाफ कुछ नहीं कहा और न ही मैं किसी के खिलाफ कुछ कह सकता हूं। मैंने हमेशा सभी धर्मों का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि वह गुरु साहिबान के दर्शन मानस की जाति सब एक पहचानो में दृढ़ विश्वास रखते हैं और उन्होंने कभी किसी जाति या समुदाय के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी पार्टी ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी हैं, जिनमें उन्होंने हमेशा आम लोगों, किसानों और कृषि श्रमिकों के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने कहा, पंजाब एक गुलदस्ता है, जिसमें विभिन्न जातियां और धर्म हैं। हमें इस गुलदस्ते को और बड़ा करना होगा। जब पार्टी भी एक गुलदस्ता होती है, तो हर वर्ग को प्रतिनिधित्व मिलता है और वह सबको साथ लेकर चलती है। तभी सरकार बनती है। यही मेरा कहना है, और इसे जातिवाद से जोड़ना गलत है।इस बीच, कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि प्रमुख दलित नेता चन्नी 'सबसे बड़े पद' पर हैं, कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य का पद।

श्वान सेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ ट्रस्ट विजयनगर, युवा संघ और सारथी सेवा फाउंडेशन ने जीव दया सेवा कार्य के अंतर्गत एनिमल राइटस फंड, कुम्बलगुढ़ में निवासित कुत्ते के दो बच्चों को उनकी देखभाल के लिए गोद लिया। इस अवसर पर संस्था को कुत्तों की देखभाल के लिए आवश्यक वस्तुएँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम में लगभग 60 लोग उपस्थित थे। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन सुराणा, कोषाध्यक्ष रमेश खाबिया, सहमंत्री सुनील लोढ़ा, विजयनगर बहू मंडल की अध्यक्ष अलका लोढ़ा, विजयनगर युवा संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गुन्देचा, मंत्री सुनील रांका सहित फाउंडेशन के सदस्यों ने इस सेवा कार्य में भाग लिया।

RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 175 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 20-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सिद्दरामय्या और मैंने चर्चा की है, हर चीज का समय होता है : शिवकुमार

6 बज उठी है बंगाल में चुनावी महासंग्राम की रणभेरी

7 कश्मीर में शूटिंग से उत्साहित हैं निहारिका चौकसे

फर्स्ट टेक

लद्दाख में 5.7 तीव्रता का भूकंप

लेह/भाषा। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के कारण किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके दिन में 11:51 बजे महसूस किए गए। एनसीएस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र 171 किलोमीटर की गहराई में 36.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक भूकंप से संबंधित किसी भी प्रकार की क्षति की कोई सूचना नहीं है।

सरकार ने पांच लाख टन गेहूं के आटे के निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने पांच लाख टन गेहूं के आटे और उससे संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दे दी है। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। निर्यात पर लगे प्रतिबंध में यह आंशिक ढील तीन साल से अधिक के अंतराल के बाद दी गई है। केंद्र सरकार ने साल 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत इस जिंस का एक प्रमुख उत्पादक देश है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 16 जनवरी की अपनी अधिसूचना में कहा, ''गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि, मौजूदा नीतिगत शर्तों के अतिरिक्त, पांच लाख टन तक गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई है।'' डीजीएफटी ने कहा कि जो आवेदक इस उत्पाद का निर्यात करना चाहते हैं, उन्हें महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए आवेदन करना होगा।

काबुल में विस्फोट होने से सात लोगों की मौत

काबुल/एपी। अफगानिस्तान के काबुल में सोमवार को विस्फोट होने से सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। काबुल में शल्य चिकित्सा सुविधा संचालित करने वाली एक इतालवी चिकित्सा संस्था ने यह जानकारी दी। विस्फोट का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्रतीत होता है कि विस्फोट अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शहर-ए-नॉ जिले में एक रेस्तरां में हुआ। विस्फोट के कुछ समय बाद पुलिस प्रवक्ता खालिद जादरान ने प्रभावित स्थान की पहचान एक होटल के रूप में की थी। इटली की गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) 'इमरजेंसी' ने बताया कि काबुल स्थित उसके शल्य चिकित्सा केंद्र में विस्फोट से प्रभावित 20 लोग आए, जिनमें से सात की पहले ही मौत हो चुकी थी।

सूर्यास्त 20-01-2026	सूर्योदय 21-01-2026
6:15 बजे	6:46 बजे

BSE	NSE
83,246.18	25,585.50
(-324.17)	(-108.85)

सोना	चांदी
15,058 रु.	302,049 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

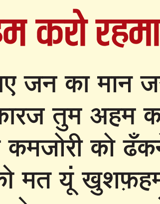

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रहम करो रहमान

रह जाए जन का मान जरा,
ऐसा कारज तुम अहम करो।
अपनी कमजोरी को ढँकने,
खुद को मत यूं खुशफ़हम करो।
सब करते सच्चा प्यार तुम्हें,
बेमतलब कोई वहम करो।
मत बाँटो हुनर मज़हबों में,
रहमान जरा सा रहम करो।।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर का पोलैंड को स्पष्ट संदेश

हमारे पड़ोस में आतंकी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें : जयशंकर

■ सिकोरस्की के साथ एक बैठक में, जयशंकर ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत को अनुचित और अन्यायपूर्ण तरीके से चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने पर भी अपनी चिंता व्यक्त की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की को एक तीखा संदेश देते हुए कहा कि उनके देश को आतंकवाद के प्रति ''कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति'' अपनानी चाहिए और भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट रूप से अक्टूबर में पोलैंड-पाकिस्तान के संयुक्त बयान में कश्मीर के उल्लेख के संदर्भ में था।

सिकोरस्की के साथ एक बैठक में, जयशंकर ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत को अनुचित और अन्यायपूर्ण तरीके से चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। इसे रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर नई दिल्ली की पश्चिमी देशों द्वारा की गई आलोचना के संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली में हुई बैठक में अपने शुरुआती संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने ये टिप्पणी की। सिकोरस्की पोलैंड के उपप्रधानमंत्री भी हैं।

वहीं, पोलैंड के विदेश मंत्री ने कहा कि वह भारत के रूस के साथ संबंधों को लेकर लगाए गए शुल्क के संदर्भ में अन्याय और चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने के बारे में जयशंकर से पूरी तरह सहमत हैं।

सिकोरस्की भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, जो यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की देश की यात्रा से 10 दिन से भी कम समय पहले हो रही है।

जयशंकर ने कहा, आप हमारे क्षेत्र से अपरिचित नहीं हैं और सीमा पार आतंकवाद की दीर्घकालिक चुनौती से निश्चित रूप से परिचित हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस बैठक में हम क्षेत्र की आपकी हालिया यात्राओं पर चर्चा करेंगे। पोलैंड को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए।

अक्टूबर के अंत में, सिकोरस्की ने इस्लामाबाद की यात्रा की थी और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशहाक डार के साथ व्यापक वार्ता की, जिसके बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में कश्मीर मुद्दे को प्रमुखता दी।

विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष पर भारत के लगातार रुख का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा, हाल के दिनों में, पिछले सितंबर में न्यूयॉर्क और इस जनवरी में पेरिस में, मैंने यूक्रेन संघर्ष और इसके निहितार्थों पर अपने विचार खुलकर आपके साथ साझा किए हैं। उन्होंने कहा, ऐसा करते हुए मैंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाना अनुचित और अन्यायपूर्ण है। मैं आज फिर से यही बात दोहराता हूं।

अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत-पोलैंड संबंधों में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया में काफी उथल-पुथल मची हुई है।

नितिन नवीन निर्विरोध भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नितिन नवीन (45) सोमवार को निर्विरोध भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। वह इस पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे युवा नेता हैं। बिहार के पांच बार के विधायक नवीन, पार्टी के शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे, जिनके समर्थन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने नामांकन पत्र दाखिल किए।

मंगलवार को नवीन को औपचारिक रूप से भाजपा अध्यक्ष घोषित किया जाएगा। वह जेपी नड्डा का स्थान लेंगे, जो 2020 से लंबे समय से अध्यक्ष पद पर हैं। अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण ने एक बयान में कहा, मैं यह घोषणा करता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए केवल एक नाम, नितिन नवीन का नाम, प्रस्तावित किया गया है।

एक बयान में उन्होंने कहा कि नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट दाखिल किए गए और सभी नामांकन पत्र वैध पाए गए। प्रधानमंत्री मोदी के अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी सहित कई वरिष्ठ नेता भी प्रस्ताव रखने वालों में शामिल हैं।

नामांकन पत्रों के 37 सेटों में से 36 पार्टी की राज्य इकाइयों द्वारा दाखिल किए गए थे और एक सेट भाजपा संसदीय दल द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा, वरिष्ठ मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, किरेन रीजीजू, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नायब सैनी, प्रमोद सावंत, पेमा खांडू और पुष्कर सिंह धामी उपस्थित थे।

करूर भगदड़ मामला :

सीबीआई ने की विजय से लगभग छह घंटे तक पूछताछ

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने करूर भगदड़ मामले के सिलसिले में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय से सोमवार को यहां एजेंसी मुख्यालय में लगभग छह घंटे तक पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले विजय से 12 जनवरी को यहां सीबीआई मुख्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, विजय पूर्वाह्न 10:20 बजे लग्जरी एसयूवी के काफिले में लोधी रोड स्थित सीबीआई मुख्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि वह शाम को लगभग पांच बजे कार्यालय से बाहर निकले। सीबीआई मुख्यालय के बाहर मौजूद टीवीके नेता सीटी निर्मल कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी पार्टी के सदस्य जांच में सहयोग कर रहे हैं। कुमार ने कहा, बहुत सारी अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जो सच नहीं हैं। हम सभी जानते हैं कि करूर में क्या हुआ था। दिल्ली से सांसद करूर गए थे; यहां तक कि भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष ने भी करूर में हुई घटना का सटीक विवरण दिया है। उन्होंने कहा, हम जांच एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। कृपया किसी भी तरह की गलत सूचना न फैलाएं। विजय को फिर से नहीं बुलाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, विजय से सीबीआई की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई से चुने गए उप अधीक्षक रैंक के एक अधिकारी के नेतृत्व वाली टीम ने पूछताछ की। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से अपने हाथ में ली थी। केंद्रीय जांच एजेंसी 27 सितंबर 2025 को तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की घटना से जुड़े सबूत जुटा रही है, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति की मेजबानी की

200 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापार लक्ष्य पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सोमवार को 2032 तक वार्षिक व्यापार के लिए 200 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया और एक रणनीतिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही ऊर्जा, अंतरिक्ष और असैन्य परमाणु क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर भी सहमति जताई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान ने संबंधों को मजबूत करने के लिए एक व्यापक एजेंडा पेश किया।

मोदी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर अल नाह्यान का गले मिलकर स्वागत किया और फिर वे एक ही वाहन में प्रधानमंत्री आवास तक साथ गए, जहां उन्होंने प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में बातचीत की।

यूएई के नेता की लगभग साढ़े तीन घंटे की यात्रा समाप्त होने के बाद प्रेस वार्ता में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा, ''यह एक संक्षिप्त, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा रही।'' उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियों में साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने का फैसला किया है, जिसमें बड़े परमाणु रिएक्टर और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर का विकास तथा परमाणु ऊर्जा संयंत्र संचालन में सहयोग शामिल है।

चांदी पहुंची तीन लाख के पार, सोना भी नए रिकॉर्ड स्तर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चांदी की कीमत सोमवार को 10,000 रुपए की जोरदार उछाल के साथ राष्ट्रीय राजधानी में रिकॉर्ड तीन लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई जबकि सोना भी 1,900 रुपए उछलकर 1.48 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू और वैश्विक बाजारों में मजबूत मांग के चलते चांदी के दाम में जबर्दस्त तेजी देखी गई।

सोमवार को चांदी का कारोबार 3,02,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर हुआ जो तीन लाख रुपए से ऊपर का पहला बंद भाव है। शुक्रवार को चांदी 2,92,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में भी मजबूती देखी गई और यह नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई। सोना 1,48,100 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई, जो शुक्रवार के 1,46,200 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर से 1,900 रुपए अधिक है।

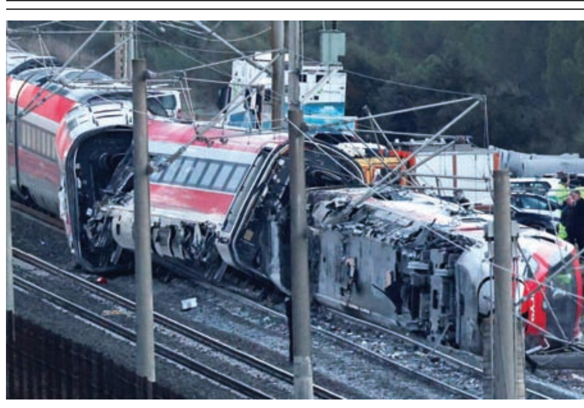

स्पेन में दो रेलगाड़ियों की टक्कर में 39 लोगों की मौत

आदमुज (स्पेन)/एपी। स्पेनिश पुलिस ने सोमवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में गत रात एक उच्च गति वाली ट्रेन की टक्कर में कम से कम 39 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों के अनुसार, शवों को निकालने का अभियान अब भी जारी है तथा मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

रेल संचालक 'एडिफ' के अनुसार, यह हादसा रविवार शाम करीब 7:45 बजे हुआ, जब मलागा से राजधानी मैड्रिड जा रही लगभग 300 यात्रियों को ले जा रही ट्रेन का पिछला हिस्सा पटरी से उतर गया। इसके बाद वह मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएल्वा जा रही सामने से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकरा गई। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने कहा कि दूसरी ट्रेन का अगला हिस्सा, जिसमें करीब 200 यात्री सवार थे, टक्कर से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इस टक्कर के कारण ट्रेन की पहली दो बोगियां पटरी से उतर गईं और करीब चार मीटर गहरी ढलान से नीचे जा गिरीं। पुएंते ने कहा कि मृतकों की सबसे अधिक संख्या इन्हीं बोगियों में होने की आशंका है।

चीन की आबादी में लगातार चौथे वर्ष कमी आई, एक संतान नीति को जिम्मेदार ठहराया जा रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकॉक/भाषा। चीन की जनसंख्या लगातार चौथे वर्ष घटी है क्योंकि 2025 में जन्म दर एक दशक पहले की तुलना में लगभग एक करोड़ कम हो गई। इस प्रवृत्ति के लिए व्यापक रूप से एक-संतान नीति के दीर्घकालिक प्रभावों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 2025 में केवल 79.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जबकि 2024 में यह संख्या 95.4 लाख थी यानी 2025 में 17 प्रतिशत की गिरावट आई।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह 1949 में आबादी का रिकॉर्ड रखना शुरू होने के बाद से सबसे कम जन्म दर है और 2023 में दर्ज न्यूनतम जन्म दर के पिछले रिकॉर्ड से भी निचले स्तर पर है। 2023 में ही चीन को पीछे छोड़ते हुए भारत सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया था।

चीन की मौजूदा प्रजनन दर के आधार पर, संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) ने 2024 में अनुमान लगाया था कि वर्ष 2100 तक चीन की जनसंख्या में 63.3 करोड़ की कमी आएगी।

सोमवार को जारी एनबीएस के आंकड़ों के अनुसार, चीन की कुल जनसंख्या 2025 में 33.9 लाख घटकर 1.4049 अरब हो गई, जो एक वर्ष पहले 1.4083 अरब थी। इसके अलावा, चीन वर्तमान में बुजुर्गों की तेजी से बढ़ती आबादी की समस्या से जूझ रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक चीन में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या 31 करोड़ तक पहुंच गई थी।

2035 तक, इस आयु वर्ग के लोगों की संख्या 40 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है।

हांगकांग से प्रकाशित होने वाले 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के अनुसार, पिछले वर्ष की जनसंख्या में अब तक की सबसे तेज वार्षिक गिरावट दर्ज की गई, जो 1959 से 1961 तक चीन में पड़े भीषण अकाल के दौरान हुई गिरावट को छोड़कर सबसे अधिक है।

इस बीच, पिछले वर्ष लगभग 1.13 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई जो पिछले पांच दशकों में सबसे अधिक है।

चीन के गंभीर जनसांख्यिकीय संकट का कारण सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा दशकों से अपनाई गई एक-संतान नीति को माना जा रहा है।

जनसांख्यिकीय संकट के अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका के बीच, चीन ने 2016 में एक-संतान नीति को समाप्त कर दिया और सभी दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दी थी।

न्यायालय ने राजमार्ग से 500 मीटर के दायरे में शराब की दुकानें हटाने के आदेश पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राजस्थान उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें राज्य सरकार को राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से 500 मीटर के दायरे में आने वाली सभी शराब की दुकानों को हटाने का निर्देश दिया गया था। उच्च न्यायालय ने सड़क हादसों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए यह आदेश दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने शराब विक्रेताओं और राजस्थान सरकार की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया। हालांकि, पीठ ने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय की चिंता वाजिब थी और सरकार भविष्य में अपनी आबकारी नीति बनाते समय इस पर विचार कर सकती है।

शीर्ष अदालत ने आदेश दिया, नोटिस जारी किया जाए। चुनौती दिए गए आदेश के प्रभाव और क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाती है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहले निर्देश दिया था कि राजमार्गों से 500 मीटर के भीतर शराब की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन समस्या वहां पैदा हुई जहां ये सड़कें शहरों से होकर गुजरती हैं। उन्होंने कहा, बाद में आदेश में स्पष्ट किया गया था कि नगर निकाय (नगर पालिका/ नगर निगम) की सीमा के भीतर शराब की दुकानों पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

शराब दुकान मालिकों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय ने संबंधित पक्षों को सुने बिना आदेश पारित करने में गलती की है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय सुजानगढ़ गांव से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रहा था, लेकिन उसने अन्य पक्षों को सुने बिना पूरे राज्य के लिए आदेश जारी कर दिया। इस पर न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र पूरे राज्य में होता है। रोहतगी ने अपनी दलील जारी रखते हुए कहा कि उच्च न्यायालय का नजरिया उच्चतम न्यायालय के उस निर्देश के विपरीत था, जिसमें कहा गया था कि नगर निकाय सीमा के भीतर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।

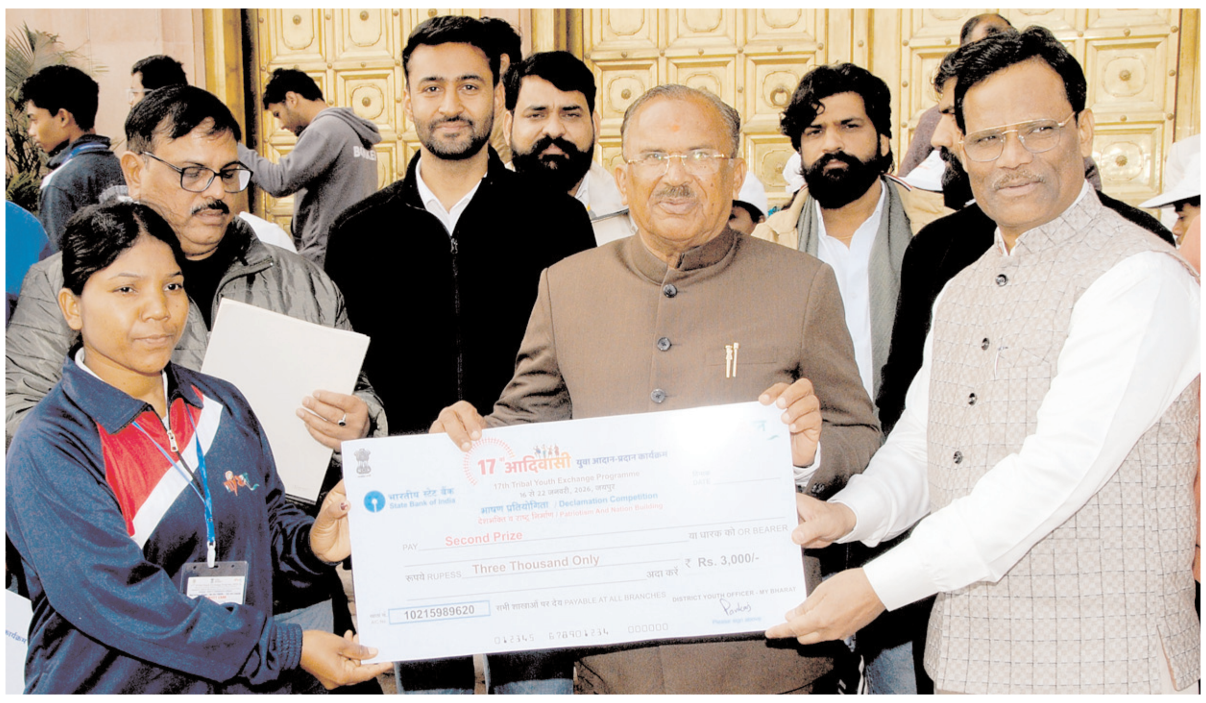

देवनानी ने उत्कृष्ट युवाओं को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया, आदिवासी युवाओं ने देखा विधानसभा भवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से सोमवार को विधानसभा में आदिवासी युवाओं का दल मिला। यह दल गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'माय भारत, जयपुर' द्वारा आयोजित 07 दिवसीय 17वें आदिवासी युवा आदानप्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत जयपुर भ्रमण पर है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, कांकेर, सुकमा, झारखंड के वेस्ट सिंहभूम, ओडिशा के कंधमाल व कालाहांडी, मध्यप्रदेश के बालाघाट तथा महाराष्ट्र के गढ़चिरौली सहित 05 राज्यों के 08 जिलों से आए 200 आदिवासी युवा एवं 20 एस्कॉर्ट ऑफिसर्स सहित लगभग 250 प्रतिभागियों ने राजस्थान विधानसभा का भ्रमण किया तथा देवनानी से संवाद किया।

देवनानी ने आदिवासी युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराएं एवं राष्ट्रभक्ति की भावना भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आदानप्रदान कार्यक्रम युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, जीवनशैली और विचारधाराओं से जोड़ते हैं तथा उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं।

देवनानी ने युवाओं को संविधान, लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा लोकतंत्र का मंदिर है, जहाँ जनहित से जुड़े निर्णय लिए जाते हैं।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लौटकर शिक्षा, सामाजिक समरसता, राष्ट्रनिर्माण और सकारात्मक सोच के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करें। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 17वें आदिवासी युवा दल कार्यक्रम के तहत हुई भाषण प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थानों पर आने वाले युवाओ को नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

युवाओं ने राजस्थान विधानसभा के सदन का अवलोकन किया तथा विधानसभा परिसर स्थित राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का भी भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें राजस्थान की लोकतांत्रिक परंपराओं, विधायी इतिहास, संसदीय विकास यात्रा तथा लोकतंत्र के विभिन्न पड़ावों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं, जिससे युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी समझ और सम्मान का भाव विकसित हुआ। युवाओं ने विधानसभा की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रिया तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका को नजदीक से समझा और अपने अनुभव साझा किए। युवाओं ने इस संवाद को अपने जीवन के लिए प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इससे उनमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी की भावना और अधिक प्रबल हुई है।

राजस्थान में विपक्षी वोट कटवाने के प्रयास में भाजपा, फॉर्म की फॉरेंसिक जांच हो : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि राजस्थान में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत भारतीय जनता पार्टी निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर उसके समर्थक मतदाताओं के नाम कटवाने की कोशिश में है, जो सीधे तौर पर लोकतंत्र की हत्या है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि भाजपा के संगठन महामंत्री बी एल संतोष और गृह मंत्री अमित शाह के हालिया राजस्थान दौरे के बाद यह सब शुरू हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि नाम कटवाने के लिए जमा किए गए सभी फॉर्म की फॉरेंसिक जांच होनी चाहिए।

डोटासरा ने संवाददाताओं से कहा, राजस्थान में एसआईआर की प्रक्रिया के बाद जो मसौदा सूची जारी हुई, इसमें 45 लाख लोग अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत की श्रेणी में पाए गए। इसके बाद 15 जनवरी तक आपत्ति मांगी गई। तीन जनवरी तक कोई अफरा-तफरी नहीं थी और सारा सिस्टम सही तरीके से चल रहा था। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से लिया गया एक डेटा आपसे साझा कर रहा हूं। इसमें बताया गया है कि भाजपा ने 17 दिसंबर से 14 जनवरी तक 937 बीएलए के माध्यम से 211 नाम जोड़ने और 5,694 वोट काटने का आवेदन दिया। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने 110 बीएलए के माध्यम से 185 नाम जोड़ने और दो नाम हटाने का आवेदन दिया।

डोटासरा ने कहा, हमने पहले ही आशंका जताई थी कि भाजपा और निर्वाचन आयोग मिलकर, कांग्रेस की विचारधारा वाले लोगों का नाम काटने के लिए तारीख आगे बढ़ाएंगे। आखिर में हुआ भी यही। उन्होंने दावा किया कि अधिकारियों और बीएलओ पर दबाव डालकर यह सब किया गया है। डोटासरा ने कहा, यह सीधे तौर पर लोकतंत्र की हत्या है।

जूली ने कहा, 16 जनवरी को भाजपा के 2,133 लोगों ने 291 नाम जोड़ने और 18,896 नाम काटने का आवेदन दिया। सवाल यह है कि अमित शाह जी के दौरे के बाद ऐसा क्या हुआ कि अचानक नाम काटने में तेजी आ गई? कांग्रेस नेता ने कहा, मैं निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय से मांग करता हूं कि राजस्थान में जितने भी फॉर्म आए हैं, उन सबकी फोरेंसिक जांच हो। यह पता लगाया जाए कि ये कहां छपे हैं, कौन इन्हें यहां तक पहुंचा कर गया है, तो पूरा दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

जेके. लोन अस्पताल में महिला कर्मचारी से छेड़छाड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी के प्रतिष्ठित जे.के. लोन अस्पताल में एक महिला संविदा कर्मी के साथ छेड़छाड़ का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के विरोध में आज सुबह अस्पताल परिसर में महिला कर्मचारियों ने जमकर प्रदर्शन किया और आरोपी नर्सिंग कर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

देर रात वार्ड में हुई बदसलूकी पीड़ित महिला, जो अस्पताल के एसएनएनआरबी वार्ड में वार्ड हेल्पर के रूप में कार्यरत है, ने बताया कि घटना देर रात करीब 2 बजे की है। पीड़िता के अनुसार, जब वह वार्ड के वॉशरूम से बाहर निकली, तो वहां पहले से मौजूद नर्सिंग कर्मचारी विजय मीणा ने उसका हाथ पकड़ लिया और जबरदस्ती पास की बेंच पर बैठा दिया। पीड़िता ने विरोध करते हुए आरोपी को धक्का देकर खुद को छुड़ाया।

पीड़िता का आरोप है कि विरोध के बावजूद आरोपी नहीं रुका। उसने महिला को लालच देते हुए कहा, तुझे पैसे चाहिए तो पैसे दे दूंगा और अगर ड्यूटी पर नहीं आएगी तो भी तेरी हाजिरी लगा दूंगा, बस एक बार साथ चल। इस घटना से घबराई महिला ने तुरंत वहां से भागकर अपनी जान बचाई और वरिष्ठ स्टाफ को इसकी जानकारी दी। मामले में चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब पीड़िता ने आरोप लगाया कि सीनियर स्टाफ ने उसे न्याय दिलाने के बजाय चुप रहने की सलाह दी। पीड़िता के मुताबिक, अधिकारियों ने कहा, इसमें तुम्हारी ही बदनामी होगी। वह नर्सिंग स्टाफ है और तुम वार्ड बॉय, शिकायत करने से कुछ नहीं होगा। अस्पताल प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई घटना के बाद अस्पताल में तनाव का माहौल है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.एम. सेहरा ने कहा कि महिला की मौखिक शिकायत सुन ली गई है और उन्हें लिखित शिकायत देने को कहा गया है ताकि आंतरिक जांच कमेटी गठित की जा सके। नर्सिंग अधीक्षक सिंथिया एल्विन ने इसे एक गंभीर और शर्मनाक घटना बताते हुए दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

समाज के वंचित तबके को रियायती ऋण देकर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बना रही राज्य सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा वंचित वर्गों के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार इन वर्गों के लिए स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बन सके। अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखकर राज्य सरकार नीतियों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है, ताकि विकसित, समावेशी एवं सशक्त राजस्थान बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ा जा सके।

इसी दिशा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधीन राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड ने उल्लेखनीय पहल की है। निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी एवं दिव्यांगजनों के 1 हजार 381 लाभार्थियों को लगभग 20 करोड़ रुपये के रियायती ब्याज पर ऋण स्वीकृत किए गए हैं। इससे इन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे। मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और इस योजना का उद्देश्य लाभार्थियों को स्वरोजगार, व्यवसाय विस्तार और शिक्षा के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करना है, जिससे वे रोजगार प्रदाता बन सके। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन एवं सफाई कर्मियों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

राज्य सरकार द्वारा जनहित से जुड़ी सभी योजनाओं का क्रियान्वयन लाभार्थियों तक किया जा रहा है। इसी के तहत निगम द्वारा गत वर्ष अनुसूचित जाति के 671 लाभार्थियों को लगभग 7.52 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति के 325 लाभार्थियों को लगभग 3.25 करोड़ रुपये, सफाई कर्मियों के 106 लाभार्थियों को लगभग 3.81 करोड़ रुपये तथा 51 दिव्यांगजनों को 58.08 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। विभिन्न वर्गों के पात्र लाभार्थियों को लगभग 20 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है।

मुख्यमंत्री के संवेदनशील नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भी ऑनलाइन ऋण आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। निर्धारित लक्ष्य 3 हजार 470 के मुकाबले 15 हजार 635 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, जो योजना के प्रति आमजन के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी 2026 के दौरान जिला स्तरीय ऋण चयन समितियों द्वारा जिलेवार साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। चयनित आवेदकों द्वारा आवश्यक दस्तावेज पूरे करने के बाद डीबीटी के माध्यम से ऋण राशि सीधे उनके खातों में पहुंच जाएंगी।

अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के माध्यम से भी ऋण स्वीकृत कराया जा रहा है। इसमें लक्ष्य 3 हजार 400 के विरुद्ध अब तक 2 हजार 670 व्यक्तियों को विभिन्न बैंकों से ऋण स्वीकृत कराया जा चुका है। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के तहत पात्र व्यक्तियों को प्रोजेक्ट लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 हजार रुपये (जो भी कम हो) अनुदान के रूप में उपलब्ध कराया जाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए 452 लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत किया जा चुका है। मुख्यमंत्री के प्रभावी नेतृत्व में प्रदेश सरकार अंत्योदय की भावना को आत्मसात करते हुए हर जरूरतमंद तबके के साथ खड़ी है। राज्य सरकार उन्हें आर्थिक संबल प्रदान कर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लक्ष्य की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

पूजा

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को लोकभवन स्थित राज राजेश्वर शिव मंदिर में पूजा अर्चना की। राज्यपाल ने इस अवसर पर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हुए सभी के मंगल की कामना की।

एसआईआर को लेकर बेवजह जनता को भ्रमित कर रही है कांग्रेस : दक

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के सहकारिता मंत्री गौतम दक ने सोमवार को कांग्रेस पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बेवजह जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पारदर्शी है और निर्वाचन आयोग की देखरेख में सख्ती से की जा रही है। वह यहां सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे। एसआईआर और मनरेगा को लेकर कांग्रेस के आंदोलनों पर दक ने कहा कि कांग्रेस को विवाद खड़ा करने के लिए कोई न कोई मुद्दा चाहिए।

उन्होंने एसआईआर की पूरी प्रक्रिया के पारदर्शी होने का दावा करते हुए कहा कि आयोग की ओर से सूची जारी हो चुकी है जिसमें दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का प्रावधान है। उन्होंने निर्वाचन आयोग को एक स्वतंत्र संस्था बताते हुए कहा कि दावों-आपत्तियों की तिथियां बढ़ाने या न बढ़ाने का निर्णय आयोग अपने विवेक से करता है, न कि किसी भी राजनीतिक दबाव में। दक ने कहा कि अभी मतदाता सूची से नाम काटने की कोई अंतिम कार्रवाई नहीं हुई है, केवल आपत्तियां दर्ज की गई हैं, जांच के बाद सही या गलत पाए जाने पर ही निर्णय लिया जाएगा।

मंत्री का कहना था कि यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि उसका नाम गलत तरीके से हटाया गया है, तो वह अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर नाम पुनः जुड़वा सकता है। दक ने कहा कि कांग्रेस को अंतिम सूची जारी होने के बाद यदि कोई आपत्ति होती तो बात समझ में आती लेकिन अभी तो केवल प्रारंभिक प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने कहा,''कांग्रेस बेवजह आरोप-प्रत्यारोप कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।'' इससे पहले दक ने पार्टी कार्यालय में 'कार्यकर्ता सुनवाई' की की। पार्टी प्रवक्ता के अनुसार सुनवाई में तबादले, भूखंड विवाद सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामले सामने आए। दक ने कहा कि भाजपा सरकार जनता और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। दक ने कहा कि भाजपा सरकार पिछले दो वर्षों से लगातार जनता के बीच जाकर काम कर रही है। उन्होंने कहा,''ऐसा कोई जिला नहीं होगा, जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दौरा नहीं किया हो। मुख्यमंत्री ने जिलों में प्रवास कर जनता की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए।''

राजस्थान की रेत में सेब की खेती, अब सीकर की बेटी को मिला राष्ट्रपति भवन में सम्मान

सीकर/दक्षिण भारत । राजस्थान के सीकर जिले के बेरी गांव की प्रगतिशील महिला किसान संतोष देवी को गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति भवन से विशेष आमंत्रण प्राप्त हुआ है। यह निमंत्रण दिल्ली आने के लिए भेजा गया है, जिससे न केवल बेरी गांव बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी खुशी और गर्व का माहौल है। यह आमंत्रण डाक के माध्यम से प्राप्त हुआ, जिसकी खबर मिलते ही पूरे इलाके में इसकी चर्चा शुरू हो गई। राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस के विशेष कार्यक्रम में देशभर से ऐसे विशिष्ट लोगों को आमंत्रित किया जाता है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय और प्रेरणादायक कार्य किए हों। बेरी गांव की निवासी संतोष देवी ने खेती के क्षेत्र में नवाचार और कड़ी मेहनत के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से अनार की खेती में किए गए उनके प्रयोगों ने उन्हें जिले ही नहीं, बल्कि प्रदेश स्तर पर भी पहचान दिलाई है। उनके चयन को महिला सशक्तीकरण और किसानों के सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। गांववासियों और परिजनों ने संतोष देवी को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सम्मान पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है और इससे अन्य महिला किसानों को भी आगे बढ़ने और कुछ नया करने की प्रेरणा मिलेगी।

प्रगतिशील महिला किसान संतोष देवी ने आईएएनएस से बातचीत में अपनी खुशी साझा करते हुए बताया कि तीन दिन पहले राष्ट्रपति भवन से आमंत्रण मिला, जिसके बाद से वह बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि 17 साल की मेहनत और संघर्ष का आज फल मिला है। यह आमंत्रण सिर्फ उनका नहीं, बल्कि उन सभी भाई-बहनों का सम्मान है, जिन्होंने उनके सफर में साथ दिया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संतोष देवी ने बताया कि उन्होंने अनार, सेब और अमरूद सहित विभिन्न फलों की खेती में नवाचार किए हैं और पूरी तरह से बिना रसायन के खेती की है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा उगाए गए अनार का वजन करीब 800 ग्राम तक और सेब का वजन लगभग 200 ग्राम तक पहुंचता है। आमतौर पर यह माना जाता है कि राजस्थान में सेब की खेती संभव नहीं है, लेकिन उन्होंने इसे कर दिखाया। संतोष देवी का मानना है कि महिलाओं को केवल चूल्हा-चौका तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें बाहर निकलकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। उनके प्रयासों से हजारों महिलाएं बागवानी के जरिए आमदनी कर रही हैं। इसके साथ ही वे पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी सक्रिय रहती हैं और हर साल किसानों की मदद से करीब 80 हजार पौधे लगवाती हैं। संतोष देवी ने रसायनों के अत्यधिक इस्तेमाल पर चिंता जताते हुए कहा कि आज के दौर में किसान खेती में रसायनों का प्रयोग कर जहर डालने जैसा काम कर रहे हैं, जिसका फसलों और लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

उद्घाटन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को बेलगावी जिले के नंदगढ़ का दौरा किया और संगोली रायन्ना म्यूज़ियम (वीरभूमि) का उद्घाटन किया, जो उस स्वतंत्रता सेनानी के जीवन और योगदान को समर्पित है, जिन्हें इस इलाके में अंग्रेजों ने फांसी दी थी।

सिद्दरामय्या और मैंने चर्चा की है, हर चीज का समय होता है : नेतृत्व विवाद के बीच शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि उन्होंने राज्य में जारी नेतृत्व विवाद को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से पार्टी आला कमान की मौजूदगी में चर्चा की है और दोनों नेता एक निष्कर्ष पर पहुंच गए हैं, लेकिन हर चीज का एक समय होता है। शिवकुमार ने कहा कि वक्त हर सवाल का जवाब देगा।

उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्हें सिद्दरामय्या सहित 140 विधायकों का समर्थन हासिल है। शिवकुमार ने दिल्ली से बेंगलूरु लौटने के बाद यह टिप्पणी की, जहां वह पिछले कुछ दिनों से डेरा डाले हुए थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं राजनीतिक और सरकारी कामकाज के सिलसिले में (दिल्ली) जाता हूं। अखबारों और टीवी में खबरें आ रही हैं कि मुझे राहुल गांधी और अन्य नेताओं से मिलने का समय नहीं मिला। क्या मैं आपको दिखाता रहूं कि मैं किन-किन लोगों से मिला?

शिवकुमार ने कहा, एक दिन आप (मीडिया) तस्वीरें दिखाते हैं कि मैं (राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ) बैठकर बातचीत कर रहा हूं, फिर खबरें आती हैं कि मैं किसी से मिल ही नहीं पाया। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा और कांग्रेस आला कमान से हुई

मुलाकात के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की।

शिवकुमार ने कहा, मैं इन चीजों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, इसलिए चुप हूं। लेकिन एक बात तय है, वक्त सब कुछ स्पष्ट कर देगा। इसके अलावा मैं किसी और चीज पर चर्चा नहीं करूंगा। अपने भाई और पूर्व कांग्रेस सांसद डीके सुरेश की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि पार्टी आला कमान जल्द अच्छी खबर देगा, शिवकुमार ने कहा, मेरा भाई कह रहे हैं, पार्टी कार्यकर्ता कह रहे हैं और आप (मीडिया) भी यही कह रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि समर्थकों को उनसे बड़-बड़ी उम्मीदें हैं, उपमुख्यमंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री सहित 140 लोग (कांग्रेस विधायक और समर्थन देने वाले विधायक) मेरे समर्थन में हैं।

उन्होंने कहा, क्या आपको पता है कि मुख्यमंत्री और मैंने क्या चर्चा की है? हम जानते हैं कि हमने राहुल गांधी और आला कमान के सामने क्या चर्चा की है और हमने मिलकर क्या निर्णय लिया है। क्या मैं इसे मीडिया के सामने सार्वजनिक रूप से बता सकता हूँ? मैं नहीं बताऊंगा, हर चीज का एक समय होता है। समय ही सब कुछ बता देगा।

अप्रैल में 'अच्छी खबर' आने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, देखते हैं, अभी इस पर चर्चा क्यों करें। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के पिछले साल 20 नवंबर को पांच वर्ष के कार्यकाल का आधा पड़ाव पूरा करने के बाद नेतृत्व में संभावित बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। 2023 में कांग्रेस सरकार के गठन के समय सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते की खबरों के चलते नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को हवा मिली है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का विवादित वीडियो वायरल, मुख्यमंत्री ने कार्रवाई की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोशल मीडिया पर सोमवार को एक वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित हुआ जिसमें कथित तौर पर कर्नाटक के डीजीपी (नागरिक अधिकार प्रवर्तन) के. रामचंद्र राव महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखते हैं। राव ने वीडियो को मनगढ़ंत और झूठा बताते हुए इसे सिरे से खारिज करने की कोशिश की। मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि यदि अधिकारी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री जी. परमेश्वर के समक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट करने का डीजीपी का प्रयास विफल रहा। संबंधित शीर्ष पुलिस अधिकारी हर्षवर्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव के सौतेले पिता हैं, जिसे सोने की तस्करी के एक सनसनीखेज मामले में गिरफ्तार किया गया है और वर्तमान में वह बेंगलूरु केंद्रीय जेल में बंद है। कन्नड़ टीवी समाचार चैनलों ने भी वीडियो में दिख रही महिलाओं की धुंधली तस्वीरें प्रसारित कीं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा, हम इसकी जांच कराएंगे। उन्होंने पुलिस महानिदेशक से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे इसकी जानकारी सुबह मिली। हम उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करेंगे। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, चाहे पुलिस अधिकारी कितना भी वरिष्ठ क्यों न हो। जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, राव गृह मंत्री परमेश्वर से मिलने के लिए पहुंचे लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी।

मंत्री के आवास के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं भी सोच रहा हूं कि यह कैसे और कब हुआ तथा इसे किसने अंजाम दिया। इस दौर में कुछ भी हो सकता है। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब पत्रकारों ने कहा कि यह पुराना वीडियो है, तो उन्होंने कहा, पुराना मतलब, आठ साल पहले का, जब मैं बेलगावी में था। आगे की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह इस बारे में अपने वकील से बात करेंगे।

राव ने कहा, मैं स्तब्ध हूं। यह सब मनगढ़ंत, झूठ है। वीडियो पूरी तरह से फर्जी है। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि यह सब कैसे हुआ, तो उन्होंने कहा, मुझे तभी पता चलेगा जब यह सच में हुआ होगा। मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। उन्होंने कहा कि वह गृह मंत्री को स्पष्ट करेंगे कि गलत सूचना फैलाई जा रही है।

मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर ने कहा कि अगर किसी ने कुछ गलत किया है तो सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। उन्होंने पत्रकारों से कहा, महिला एवं बाल विकास मंत्री होने के नाते मैं आपको बता सकती हूं कि हम वरिष्ठता की परवाह किए बिना कार्रवाई करेंगे। भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री एस. सुरेश कुमार ने पुलिस अधिकारी के इस शर्मनाक कृत्य की निंदा करते हुए इसे एक अक्षम्य अपराध बताया।

डब्ल्यूईएफ की बैठक में शामिल होने दावोस जाएंगे उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि वह स्विट्ज़रलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक में शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि शिवकुमार मंगलवार को दावोस के लिए रवाना हो सकते हैं। इसके पहले उपमुख्यमंत्री के कार्यालय ने शनिवार को कहा था कि शिवकुमार ने अपने आधिकारिक एवं पार्टी से जुड़े कार्यक्रमों का हवाला देते हुए अपनी दावोस यात्रा रद्द कर दी है।

इस बारे में शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, दिल्ली ने मुझे अनुमति दे दी है, मेरे नेताओं और मुख्यमंत्री ने भी मुझे वहां जाने के लिए कहा है। लोग मुझे फोन कर कह रहे हैं कि

मुझे दावोस में चर्चाओं का हिस्सा होना चाहिए, इसलिए मैं वहां जाने का निर्णय ले रहा हूं। उन्होंने कहा, इस बारे में विपक्षी मित्रों का भी सुझाव मिला है। कभी-कभी राज्य के हित में हमें विपक्षी नेताओं की सलाह भी माननी पड़ती है। राज्य के हित में हम सभी मिलकर काम करेंगे। कर्नाटक के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को ही दावोस के लिए रवाना हो गया। यह प्रतिनिधिमंडल 19 से 23 जनवरी तक आयोजित डब्ल्यूईएफ बैठक में हिस्सा लेगा।

बातचीत

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या सोमवार को अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए बादामी बागलकोट पहुंचे।

आबकारी रिश्वत कांड में मंत्री तिम्मापुर के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खरगे ने कहा कि भाजपा के पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा ने पहले भी ऐसे आरोप लगाए थे, लेकिन उस वक्त वे कोई दस्तावेजी सबूत पेश नहीं कर सके थे।

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त को राज्य के मंत्री आर बी तिम्मापुर के खिलाफ आबकारी रिश्वत कांड में कथित संलिप्तता को लेकर एक औपचारिक शिकायत प्राप्त हुई है। यह घटनाक्रम हाल में 25 लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए वरिष्ठ आबकारी अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद हुआ है। हालांकि, रविवार को 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में मंत्री ने आरोपों को खारिज किया था।

शिकायतकर्ता लक्ष्मीनारायण ने आरोप लगाया कि आबकारी उपायुक्त जगदीश नाइक ने लीक हुई ऑडियो क्लिप में मंत्री का नाम लिया था। इस संबंध में एक लोकायुक्त अधिकारी ने कहा, लक्ष्मीनारायण ने मंत्री के खिलाफ शिकायत दी है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि ''आबकारी उपायुक्त जगदीश नाइक ने सार्वजनिक हुई ऑडियो क्लिप में उनका नाम लिया है।''

लक्ष्मीनारायण ने सीएल-7 लाइसेंस (होटल और बोर्डिंग हाउस) तथा बियर तैयार करने की छोटी भट्ठी के परमिट के लिए आवेदन किया था, जिसके लिए नाइक और दो अन्य आरोपियों ने कथित तौर पर 80 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। उन तीनों को 25 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया था। इस बीच, कर्नाटक विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता क्रमशः आर अशोक और चलवाडी नारायणस्वामी ने तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग की।

उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में, नाइक की ऑडियो क्लिप सुनाई, जिसमें कथित तौर पर उन्होंने मंत्री का नाम लिया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि नाइक रिश्वत की रकम में मंत्री के हिस्से का जिक्र कर रहे थे। वहीं, मंत्री ने सवाल किया कि किसी के द्वारा उनके नाम का दुरुपयोग किए जाने पर उन्हें क्यों जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

तिम्मापुर ने कहा, ''अगर किसी ने कुछ गलत किया है और मेरे नाम का दुरुपयोग किया है, तो हम उसे निलंबित कर देंगे। अगर आबकारी उपायुक्त मेरे नाम का दुरुपयोग करे तो मैं क्या कर सकता हूं? मुझे इसके लिए इस्तीफा क्यों देना चाहिए?'' कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने आबकारी उपायुक्त की गिरफ्तारी के बाद तिम्मापुर के इस्तीफे की भाजपा की मांग को खारिज किया।

खरगे ने कहा कि भाजपा के पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा ने पहले भी ऐसे आरोप लगाए थे, लेकिन उस वक्त वे कोई दस्तावेजी सबूत पेश नहीं कर सके थे। उन्होंने कहा कि अब एक अधिकारी लोकायुक्त की गिरफ्त में आया है, तो जांच होने दीजिए।

खरगे के अनुसार, तिम्मापुर ने कहा है कि जिसने भी गलती की है, उसे अंजाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा, ''विधानसभा सत्र जल्द ही शुरू होगा, जहां भाजपा यह मुद्दा उठा सकती है और दस्तावेज प्रस्तुत कर सकती है। तिम्मापुर ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि आरोप सिद्ध होते हैं तो वह एक पल भी मंत्री पद पर नहीं रहेंगे।''

कारगिल इंडिया के कर्नाटक स्टार्च संयंत्र का अधिग्रहण करेगी रिद्धि सिद्धि ग्लूको बायोल्स

बेंगलूरु/नई दिल्ली। रिद्धि सिद्धि ग्लूको बायोल्स लिमिटेड (आरएसजीबीएल) ने सोमवार को कहा कि वह कर्नाटक के दावणगेरे में कारगिल इंडिया के स्टार्च और स्वीटनर कारोबार की संपत्तियों का अधिग्रहण करने पर सहमत हो गई है। सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस सौदे में 'जमीन, विनिर्माण सुविधाएं, भंडारगृह और कॉर्न साइलो' शामिल हैं। यह सौदा सामान्य मंजूरियों और परिसंपत्तियों की खरीद समझौते की शर्तों के अधीन है।

वर्ष 2016 से चालू यह 52 एकड़ की सुविधा, सालाना 3,00,000 टन की प्रसंस्करण क्षमता रखती है और माल्टोडेक्सट्रिन, लिक्विड ग्लूकोज और कॉर्न जर्म, कॉर्न ग्लूटेन और कॉर्न फाइबर सहित सह-उत्पादों का उत्पादन करती है। आरएसजीबीएल के कार्यकारी निदेशक सिद्धार्थ चौधरी ने कहा, ''यह अधिग्रहण आरएसजीबीएल के दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, जिससे हमारी खाद्य और औषधि खंड में हमारी उपस्थिति का विस्तार होगा ताकि ग्राहकों की अधूरी मांग को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके।''

कंपनी ने कहा कि उसका इरादा इस सुविधा को नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके संचालित करने का है, जो स्वच्छ ऊर्जा और स्थायी विनिर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्टार्च और स्टार्च डेरिवेटिव में तीन दशकों से अधिक के अनुभव वाली आरएसजीबीएल ने कहा कि यह अधिग्रहण भारत के स्टार्च उद्योग में उसकी स्थिति को मजबूत करेगा।

कांग्रेस मनरेगा को निरस्त किये जाने का मुद्दा संसद के आगामी सत्र में उठाएगी : खरगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि पार्टी मनरेगा को निरस्त किये जाने का मुद्दा संसद के आगामी सत्र के दौरान भी उठाएगी। पार्टी ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के दौरान लागू किये गए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त कर उसके स्थान पर एक नया कानून लाने के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया गया है। हालांकि, उन्होंने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच चल रहे संघर्ष और इस संबंध में कांग्रेस आला कमान के हस्तक्षेप पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''संसद के आगामी सत्र में भी हम इस मुद्दे को उठाएंगे। मनरेगा को निरस्त करने के खिलाफ हर जिले में हर जगह लड़ाई जारी है। कर्नाटक में भी विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई जा रही है। इस मुद्दे पर लड़ाई एक निरंतर कार्यक्रम है।''

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि मनरेगा को निरस्त करने के विरोध में 22 जनवरी को सुबह 10 बजे दिल्ली के नेहरू सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि वह पार्टी नेता राहुल गांधी के साथ मिलकर इसका उद्घाटन करेंगे और कई गैर-सरकारी संगठन इसमें भाग ले रहे हैं।

बेंगलूरु नगर निकाय चुनाव 25 मई के बाद मतपत्रों से होंगे : राज्य निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी जी एस संगरेशी ने सोमवार को कहा कि वृहद बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के अंतर्गत आने वाले पांच नगर निगमों के चुनाव 25 मई के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय मतपत्रों के माध्यम से होंगे। संगरेशी ने यह भी कहा कि इस साल के अंत में प्रस्तावित जिला और तालुक पंचायत चुनाव भी मतपत्रों के माध्यम से ही कराए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद, 25 मई के बाद चुनाव होने की संभावना है।'' मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इस बार जीबीए चुनाव मतपत्रों के माध्यम से कराए जाएंगे।

संगरेशी ने कहा, चुनाव कराने के दो सर्वोत्तम तरीके हैं। शुरुआत से ही मतपत्रों का इस्तेमाल होता रहा है, लेकिन पिछले 20-30 वर्षों से ईवीएम

का उपयोग किया जा रहा है। मतपत्रों के इस्तेमाल पर न तो कानून और न ही उच्चतम न्यायालय की रोक है।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने पिछले साल सितंबर में राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को यह सिफारिश करने का फैसला किया था कि राज्य में भविष्य में होने वाले सभी पंचायत और शहरी निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय मतपत्रों के माध्यम से कराए जाएं। सरकार का दावा था कि ईवीएम के प्रति लोगों की विश्वसनीयता कम हो रही है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि अमेरिका जैसे विकसित देश भी मतपत्रों का इस्तेमाल करते हैं और देश में भी विधानसभा व लोकसभा चुनावों को छोड़कर ग्राम पंचायत व सहकारी समितियों के अधिकांश चुनाव मतपत्रों से होते हैं।

उन्होंने कहा, ''हालांकि, पिछली बार 2015 में बेंगलूरु नगर निगम के चुनाव ईवीएम से हुए थे।''

जब उनसे पूछा गया कि क्या मतपत्रों का उपयोग करने का निर्णय सरकार के दबाव में लिया गया है, तो उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है, और चूंकि कानून में मतपत्रों या ईवीएम का उपयोग करके चुनाव कराने का प्रावधान है, इसलिए आयोग के पास निर्णय लेने का विवेक है।

संगरेशी ने कहा, मतपत्रों का उपयोग करना एक विकल्प है। राज्य निर्वाचन आयोग ने वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, विचार-विमर्श और चिंतन के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि मतपत्रों का उपयोग उचित है। पिछले 20-30 वर्षों से (बेंगलूरु में) मतदान करने वाले अधिकांश लोगों ने मतपत्र नहीं देखे हैं क्योंकि लंबे समय से ईवीएम का उपयोग किया जा रहा है। मतपत्र एक सर्वोत्तम प्रक्रिया भी है, जिसकी विश्वभर में सराहना की जाती है।पिछले हफ्ते उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 30 जून तक बेंगलूरु के निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು,
ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ಇಲಾಖೆ,
ನಂ.1 ಕಟ್ಟಡಗಳ ವಿಭಾಗ, ಎಸ್.ಜೆ.ಪಿ. ಆವರಣ, ಬೆಂಗಳೂರು.
ದೂರವಾಣಿ: 080-22255210
ಸಂ: ಕಾಅ/ಕವಿ.1/ಎಇ-4/2025-26/70 ದಿನಾಂಕ: 14.01.2026

ಟೆಂಡರ್‌ಗಾಗಿ ಆಹ್ವಾನ - 2ನೇ ಕರೆ

ಮೇಲ್ಕಂಡ ಇಲಾಖೆಯು ಬೆಂಗಳೂರಿನ ರಾಜಭವನದಲ್ಲಿ ರಾಜ್ಯಪಾಲರ ನಿವಾಸದ ಹಿಂದಿನ ಕಾಲುದಾರಿಗೆ ಕಾಬಲ್ ಸ್ಟೋನ್, ಕರ್ಬ್ಸ್ ಒದಗಿಸುವುದು ಹಾಗೂ ಅಳವಡಿಸುವುದು ಮತ್ತು ಇತರೆ ಸುಧಾರಣಾ ಕಾಮಗಾರಿಗಳು, ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಆರೋಗ್ಯ ಕೇಂದ್ರ, ಉದ್ಯಾನದ ಕಾಲುದಾರಿ, ಗ್ಲಾಸ್‌ಹೌಸ್ ಕಾಲುದಾರಿಯ ಬಳಿ ಹಾಳಾಗಿರುವ ಪೇವರ್ ಟೈಲ್ಸ್‌ಗಳನ್ನು ಬದಲಾಯಿಸುವುದು ಮತ್ತು ಇತರೆ ಸಂಬಂಧಿತ ಕಾಮಗಾರಿಗಳಿಗೆ (ಪಿಡಬ್ಲ್ಯೂಡಿ/2025-26/ಬಿಡಿ/ವರ್ಕ್-ಇಂಡೆಂಟ್30559/ಕರೆ-2) ಅರ್ಹ ಟೆಂಡರ್‌ದಾರರಿಂದ ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರದ ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್ (http://kppp.karnataka.gov.in) ಮೂಲಕ ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ಆಹ್ವಾನಿಸಿದೆ. ಕಾಮಗಾರಿಗಿಟ್ಟ ಅಂದಾಜು ಮೊತ್ತ: **ರೂ.16.13 ಲಕ್ಷಗಳು.** ಇಎಂಡಿ: **ರೂ.40,400/-.** ಕಾಮಗಾರಿಯ ದಸ್ತಾವೇಜು ಬೆಲೆ: ಇ-ಪೋರ್ಟಲ್‌ನಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿರುವಂತೆ. ಕಾಲಾವಧಿ: **2 ತಿಂಗಳು (ಮಳೆಗಾಲ ಸೇರಿದಂತೆ).** ಮೀಸಲಾತಿ: **ಇತರೆ.** ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್ ಮೂಲಕ ಡೌನ್‌ಲೋಡ್ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಆನ್‌ಲೈನ್‌ನಲ್ಲಿ ಸಲ್ಲಿಸಲು ಕೊನೆಯ ದಿನಾಂಕ: **22.01.2026, ಸಂಜೆ 4.30 ಗಂಟೆಯೊಳಗೆ.** ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ತೆರೆಯುವ ದಿನಾಂಕ: ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್‌ನಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿರುವಂತೆ. ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ಮೇಲ್ಕಂಡ ಕಚೇರಿಯಿಂದ ಅಥವಾ ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್ **http://kppp.karnataka.gov.in** ಮೂಲಕ ಪಡೆಯಬಹುದು.

ಸಹಿ/- ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು

ವಾಸಾಸಂಇ/ಉನಿ-ಸಿ.ಪಿ/5102/ಕೆಎಸ್‌ಎಂಸಿಎ/2025-26

सुविचार

जिंदगी का असूल है जे कभी नहीं झुकती,सांसे रुक जाती है पर जिंदगी नहीं रूकती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इतिहास न भूलें, एकजुट रहें

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में सुधा मूर्ति के शब्द – 'बच्चे जानें कि बंटवारा गलत था, इसे कभी दोहराया नहीं जाना चाहिए' – हर उम्र के नागरिकों, खासकर युवाओं को बहुत गहरा संदेश देते हैं। बंटवारा एक ऐसा घाव है, जो हमें आज भी दर्द दे रहा है। हमारे लिए देश सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं है। हम इसे भारत मां कहते हैं। वर्ष 1947 में अंग्रेजों की चालाकी और कुछ नेताओं के कुर्सीप्रेम के कारण बंटवारा हुआ था, जिसमें लाखों लोग मारे गए थे। हमें उस घटना को भूलना नहीं चाहिए। जो आज़ादी हमें मिली थी, वह मुफ्त में नहीं आई थी। इसके लिए हमारे देशवासियों ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई थी। इस आज़ादी की रक्षा करने के लिए जरूरी है कि हमें अपना इतिहास याद रहे। 'बंटवारा कैसे हुआ था', से बड़ा सवाल है– 'बंटवारा क्यों हुआ था?' इसके लिए सिर्फ अंग्रेजों को दोष नहीं दिया जा सकता। वे यहां कोई समाजसेवा करने नहीं आए थे। उनका मकसद था– भारत को लूटना और ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना। वे उसमें कामयाब रहे। हमारे पूर्वजों को समय रहते उन दोषों और कमियों को दूर करने पर ध्यान देना चाहिए था, जिन्होंने देश में बहुत गहराई तक जड़ें जमा ली थीं। अंग्रेज घोर लालची थे, अव्वल दर्जे के कपटी थे। उन्होंने 'फूट डालो, राज करो' की नीति अपनाई थी। उनके पास विज्ञान की भी ताकत थी। अगर कोई ताकत दुष्ट के हाथ में होती है तो उसका नुकसान सज्जन को उठाना पड़ता है। टेलीग्राफ, रेलवे, बेहतर बंदूकें, सटीक नक्शे, चिकित्सा शोध, बेहतर आपूर्ति प्रणाली आदि ने भारत पर उनकी पकड़ को मजबूत किया था। अगर हमारे पूर्वजों के पास इनसे बेहतर व्यवस्था होती तो आज देश का नक्शा कुछ और होता।

अगर लोग 'मैं' और 'मेरा' तक सीमित रहेंगे तो देश मजबूत नहीं होगा। 'हम सब एक हैं' – यह भावना होनी चाहिए। अगर आप वर्ष 1945 से लेकर 1947 तक की पत्रिकाएं पढ़ेंगे (जिनके कई अंक ऑनलाइन उपलब्ध हैं) तो पाएंगे कि उस दौर के अनेक लेखक बंटवारे का विरोध कर रहे थे। वे राष्ट्रीय एकता पर जोर दे रहे थे। वे कह रहे थे कि अगर बंटवारा हुआ तो समस्याएं कम नहीं होंगी, बल्कि बढ़ेंगी। उनकी बातें लोगों को समझ में आती थीं, लेकिन जैसे ही जिन्ना और उनके समर्थक अपने भाषणों में आग उगलते, झगड़े–फसाद शुरू हो जाते थे। महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल जैसे असंख्य महापुरुषों ने देशवासियों को एकजुट रखने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था, लेकिन चंद स्वार्थी तत्त्व बंटवारा करके ही माने। उस समय बड़े–बड़े रईस एक ही रात में सड़क पर आ गए थे। पेशावर, लाहौर, कराची जैसे शहरों में उनकी हवेलियां देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वहां रहने वालों के क्या ठाठ रहे होंगे! जब बंटवारा हुआ तो जमीनें, हवेलियां, माल–मवेशी, कई पीढ़ियों से जमे–जमाए कारोबार, रुपए, गहने, सोना, चांदी सबकुछ छोड़कर आना पड़ा। देश के साधन–संपन्न वर्ग को समझना चाहिए कि आपकी दौलत तब तक ही सुरक्षित है, जब तक समाज आपके साथ खड़ा है। समाज के हटते ही दौलत और सम्मान किसी काम के नहीं रह जाते। ढाका, सोनारगांव, राजशाही, नारायणगंज, कुमिल्ला, मैमनसिंह की जिन हवेलियों में कभी आम लोग कदम रखने से भी डरते थे, आज वे किस हालत में हैं? हमें अपनी कमियों को दूर करना चाहिए। साथ ही, ऐसे तत्त्वों से सावधान रहना चाहिए, जो अपने स्वार्थों के लिए समाज में नफरत और बंटवारे के बीज बोते हैं। आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव से ही देश अखंड रहता है।

ट्वीटर टॉक

स्वाभिमान एवं अदम्य शौर्य के प्रतीक, मातृभूमि के गौरव के लिए संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले महान योद्धा महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर कोटि–कोटि नमन। उनके त्याग, साहस और देशभक्ति से नई पीढ़ी को प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना सीखना चाहिए।

–अशोक गहलोत

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक विचार, एक संकल्प और राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान। जनसंघ की स्थापना उन्होंने किसी पद या सत्ता के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा, सांस्कृतिक एकता और अखंड भारत के संकल्प के साथ की।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

समृद्ध संस्कृति की पहचान सवाई माधोपुर के स्थापना दिवस पर सभी क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। त्रिनेत्र गणेश जी के आशीर्वाद और रणथंभौर दुर्ग जैसी ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध सवाई माधोपुर आज सामाजिक प्रगति का प्रेरक प्रतीक है।

–वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

मंत्र-शक्ति की पात्रता

एक राजा का मंत्री प्रतिदिन मंत्र–जप करता था। एक दिन राजा ने पूछा 'क्या मंत्र–जप सबके लिए समान रूप से लाभदायक होता है?' मंत्री ने उत्तर दिया'नहीं महाराज।' कारण पूछने पर मंत्री कुछ दिन टालता रहा, पर अंततः उदाहरण से समझाने का निश्चय किया। मंत्री राजा को एकांत में ले गया और एक अजनबी बालक को बुलाया। उसने बालक से कहा कि राजा को थप्पड़ मारे, रोजरोज मुझसे प्रश्न पूछता है। बालक ने अनसुना कर दिया। तभी राजा को गुस्सा आया। राजा ने उसी बच्चे को आदेश दे डाला कि मंत्री को थप्पड़ मारे। बालक ने तुरंत आज्ञा का पालन किया। मंत्री शांतचित खड़ा रहा और बोला बोला 'महाराज! मंत्र–शक्ति भी इस बालक की तरह ही है, जो केवल अधिकारी व्यक्ति के आदेश का पालन करती है। जिसे इतना विवेक होता है कि किसे लाभ देना चाहिए और किसे नहीं। किस पर कृपा बरसानी चाहिए और किस पर नहीं।'

सामयिक

भारत सचमुच अपने फैसले स्वयं ले रहा

डॉ. प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

किसी भी राष्ट्र की मजबूती उसके सैन्य बजट, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए गए भाषणों या विदेशी नेताओं के साथ खिंचवाई गई तस्वीरों से नहीं मापी जाती। असली ताक़त इस बात में निहित होती है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप कितनी स्वतंत्रता से निर्णय ले पाता है। भारत आज खुद को मजबूत राष्ट्र, विश्वगुरु और उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, पर मूल प्रश्न यही है: क्या भारत सचमुच अपने फैसले स्वयं ले रहा है, या वैश्विक शक्तियों के संकेतों के अनुरूप अपने कदम समायोजित कर रहा है? विदेश नीति किसी भी राष्ट्र के आत्मसम्मान और संप्रभुता का सबसे स्पष्ट दर्पण होती है; यहीं तय होता है कि वह किन देशों से मित्रता करेगा, किससे दूरी बनाए रखेगा, और किन शर्तों पर वैश्विक व्यवस्था में भागीदारी करेगा। भारत ने दशकों तक गुटनिरपेक्षता और बाद में 'रणनीतिक' स्वायत्तता के नाम पर यही संदेश दिया कि वह किसी भी शक्तिगुट का स्थायी अनुयायी नहीं, बल्कि अपने हितों के अनुसार साझेदारी करने वाला स्वतंत्र खिलाड़ी है। शीतयुद्ध के दौर में भारत ने अमेरिका और सोवियत संघ, दोनों से संबंध रखते हुए भी औपचारिक सैन्य गठबंधनों से दूरी बनाए रखी; इसी रुख ने नवस्वतंत्र एशियाई और अफ्रीकी देशों के लिए उसे एक वैचारिक प्रेरणा बनाया। नई सदी में, खासकर पिछले कुछ वर्षों में, यह संतुलन पहले से कहीं अधिक दबाव में है–चाहे वह अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता हो या रूसयूक्रेन युद्ध के बाद की ध्रुवीकृत दुनिया।

ईरान का चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सिर्फ एक व्यापारिक ठिकाना नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया, अफ़ग़ानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधे पहुँच का वह द्वार था, जो पाकिस्तान को बायपास करते हुए चीन के ग्वादर और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के दबद्बे को संतुलित कर सकता था। अमेरिकी प्रतिबंधों और फिर चाबहार पर से छूट हटने के बाद परियोजना पर भारतीय प्रतिबद्धता लगातार कमजोर पड़ती गई; हाल की रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि भारत पोर्ट पर अपनी दीर्घकालिक उपस्थिति को सीमित करने की दिशा में बढ़ चुका है। यहाँ असली सवाल तकनीकी नहीं, राजनीतिक है: क्या भारत ने अपने दीर्घकालिक भूरणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए कोई स्वतंत्र स्टैंड लिया, या फिर वॉशिंगटन की नाराज़गी के डर ने उसे व्यवहारिक विकल्पों से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया? रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदना भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विवेक का प्रश्न है, न कि केवल कूटनीतिक जिद का। पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने शुरुआती चरण में साफ संकेत दिया कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही ऊर्जा स्रोत चुनेगा, और इसी तर्क के तहत रूस से तेल आयातों में तेज उछाल भी देखा गया। समय के साथ अमेरिका और यूरोपीय देशों से आने वाले नैतिक उपदेश और अप्रत्यक्ष प्रतिबंधों के संकेतों ने अतिरिक्त दबाव बनाया; कुछ बड़े कॉर्पोरेट आयातकों ने रूसी तेल की खरीद घटाकर पश्चिमसमर्थक विकल्पों की ओर झुकाव दिखाया, भले ही कुल मिलाकर रूसी तेल आयात अभी भी ऊँचे बने हुए हों। मजबूत राष्ट्र वह होता है जो दूसरे देशों के इमेज मैनेजमेंट या नैरेटिव से नहीं, अपने नागरिकों के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा से संचालित हो–वरना रणनीतिक स्वायत्तता की जगह रणनीतिक संकोच ले लेता है।

सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिली तालियाँ और सुर्खियाँ, निर्णयस्वायत्तता का विकल्प बनती जा रही हैं। विदेशी संसदों में दिए भाषण, वैश्विक मीडिया में छपी प्रशंसात्मक हेडलाइनें या किसी महाशक्ति की पीठ थपथपाहट को राष्ट्रीय सम्मान का प्रमाणपत्र बनाकर पेश किया जा रहा है, जबकि हालिया इतिहास इराक, लीबिया और अफ़ग़ानिस्तान जैसे उदाहरणों से भरा है कि बाहरी समर्थन कितनी जल्दी दिशा बदल लेता है। सैन्य और सुरक्षा संबंधी निर्णय किसी भी लोकतंत्र की संप्रभुता की अंतिम रेखा होते हैं; यदि यहाँ भी किसी और की स्वीकृति या वैश्विक संदेश की चिंता हावी हो जाए, तो यह केवल नीति नहीं, स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न है। ऐसे समय में लोकतांत्रिक समाज की असली परीक्षा यह है कि क्या वह विदेश नीति और सुरक्षा रणनीति पर आलोचनात्मक सवाल पूछने वालों को देशद्रोही ठहराए बिना बहस की जगह दे सकता है। लोकतंत्र में असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि 'लोकनियंत्रण' की बुनियादी शर्त है; देशभक्ति का अर्थ सत्ता से सहमति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित के लिए सच बोलने का साहस है।

आत्मनिर्भर भारत की सच्ची कसौटी यह नहीं कि कितने मोबाइल या कारें देश में बन रही हैं, बल्कि यह है कि भारत अपनी विदेश नीति, ऊर्जा विकल्पों और रणनीतिक साझेदारियों पर कितना स्वतंत्र निर्णय ले पाता है।

भारत आज एक चौराहे पर खड़ा है: एक रास्ता उसे उस मुकाम तक ले जा सकता है जहाँ वह अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप सभी से संबंध रखे, पर किसी के आगे झुके नहीं; दूसरा रास्ता उसे एक प्रभावशाली, पर आश्रित सहयोगी में बदल सकता है, जो हर बड़े निर्णय से पहले वॉशिंगटन या किसी और राजधानी की प्रतिक्रिया का इंतज़ार करे। मजबूत राष्ट्र वही है जो तालियाँ बटोरने की जगह अपना स्टैंड बचाकर चलता है; आने वाले वर्षों में भारत की असली परीक्षा यही होगी कि वह प्रबंधित सहयोगी बनना चुनता है या सचमुच एक संप्रभु, आत्मविश्वासी शक्ति के रूप में खड़ा होता है।

मंथन

कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन से क्या मजबूत होगा लोकतंत्र?

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

महत्वपूर्ण यह रहा कि सम्मेलन का विमर्श केवल आदर्शवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आज लोकतंत्र के सामने मौजूद वास्तविक खतरों को भी खुले रूप में स्वीकार किया गया। सत्तावादी प्रवृत्तियाँ, संस्थाओं का कमजोर होना और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में जनता का घटता विश्वास जैसी चुनौतियों पर गंभीर चिंतन हुआ। इस बात पर व्यापक सहमति बनी कि लोकतंत्र केवल परंपरा के बल पर जीवित नहीं रह सकता।

लोकतंत्र कोई एक बार प्राप्त कर ली गई उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसे निरंतर पोषण, संवाद और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता होती है। समय के साथ बदलती सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियाँ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी करती रहती हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय संसदीय मंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, जो विभिन्न देशों को लोकतांत्रिक मूल्यों, परंपराओं और व्यवहारों को साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन (कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस) इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसने यह सिद्ध किया कि साझा लोकतांत्रिक विरासत और सामूहिक विमर्श के माध्यम से लोकतंत्र की जड़ों को और गहराई प्रदान की जा सकती है। कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) कॉमनवेल्थ देशों के सांसदों और संसदों के पीठासीन अधिकारियों को एक साझा मंच पर लाती है। ये वे देश हैं, जिनमें से अधिकांश में संसदीय लोकतंत्र की एक समान ऐतिहासिक परंपरा रही है। यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करता है, जहाँ निर्वाचित जनप्रतिनिधि लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने मौजूद चुनौतियों पर विचार–विमर्श करते हैं, एक–दूसरे के अनुभवों से सीखते हैं और शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और समावेशी बनाने के नए उपायों की खोज करते हैं। आज के दौर में, जब विश्व भर में लोकतंत्र ध्रुवीकरण, गलत सूचना, जनता के घटते विश्वास और तकनीकी हस्तक्षेप जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब इस प्रकार का संवाद न केवल प्रासंगिक बल्कि अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

भारत द्वारा इस सम्मेलन की मेजबानी किया जाना अपने आप में विशेष प्रतीकात्मक और व्यावहारिक महत्व रखता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत विविधताओं से भरे समाज में लोकतांत्रिक शासन कीु की संभावनाओं और जटिलताओं दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। कॉमनवेल्थ के विभिन्न देशों से आए संसदीय नेताओं को एक साथ लाकर भारत ने यह संदेश दिया कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों, बहुलतावाद और संस्थागत संवाद के प्रति प्रतिबद्ध है। सम्मेलन के दौरान इस तथ्य पर विशेष बल दिया गया कि लोकतंत्र की मजबूती मजबूत विधायिकाओं पर निर्भर करती है, जो जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर सकें, कार्यपालिका पर प्रभावी निगरानी रख सकें और संवैधानिक सिद्धांतों की रक्षा कर सकें। सम्मेलन के प्रमुख विषयों में से एक संसदीय संस्थाओं को सशक्त बनाने का प्रश्न था। विधायिकाएँ किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ होती हैं, किंतु अनेक देशों में वे प्रभावहीनता, कार्यपालिका के बढ़ते वर्चस्व और जनता के घटते विश्वास जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि संसदों को पर्याप्त संसाधन, प्रक्रियात्मक स्वायत्तता और संस्थागत क्षमता प्रदान की जानी चाहिए। मजबूत संसदीय समितियाँ, सूचित और सार्थक बहसें तथा प्रभावी निगरानी तंत्र इस बात को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि शासन सत्ता–केंद्रित न होकर जन–केंद्रित बना रहे।

लोकतंत्र पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर भी सम्मेलन में गहन चर्चा हुई। डिजिटल तकनीकों ने राजनीतिक संवाद, विधायी कार्य और नागरिक सहभागिता के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। एक ओर तकनीक पारदर्शिता, दक्षता और भागीदारी के नए अवसर प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर यह गलत सूचना, साइबर हेरफेर और विवेकपूर्ण सार्वजनिक विमर्श के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी उत्पन्न करती है। सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी कि कानून निर्माताओं की यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसी संतुलित नीतियाँ तैयार करें, जो तकनीक का उपयोग सार्वजनिक हित में करें और साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों, निजता और सामाजिक सौहार्द की रक्षा भी सुनिश्चित करें। बदलते सामाजिक परिवेश में निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका पर भी विशेष ध्यान दिया गया। आज के सांसद और विधायक निरंतर सार्वजनिक निगरानी और तेज़ी से बदलते सूचना चक्र के बीच काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया ने नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के बीच की दूरी को कम किया है, लेकिन साथ ही इसने लोकलुभावन प्रवृत्तियों और आक्रामकता को भी बढ़ावा दिया है। सम्मेलन में यह रेखांकित किया गया कि जनप्रतिनिधियों को राजनीतिक दबावों के बावजूद नैतिक आचरण, मर्यादित बहस और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती केवल चुनावी जीत में नहीं, बल्कि संवाद की गुणवत्ता और असहमति के प्रति सम्मान में निहित होती है।

समावेशन और प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी सम्मेलन के विमर्श का एक महत्वपूर्ण आधार रहा। कोई भी लोकतंत्र तभी सशक्त हो सकता है, जब वह अपने समाज की विविधता को सही मायनों में प्रतिबिंबित करे। विधायी संस्थाओं में महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर मौजूद समुदायों की बढ़ती भागीदारी पर गंभीर चर्चा हुई। कॉमनवेल्थ ढाँचा, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है, देशों को यह अवसर प्रदान करता है कि वे समावेशी प्रतिनिधित्व के सफल मॉडलों से सीखें और उन्हें अपनी सामाजिक– राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप अपनाएँ। सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय संसदीय कूटनीति के महत्व को भी रेखांकित किया गया। आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, आर्थिक असमानता और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे अनेक मुद्दे राष्ट्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न देशों की संसदों के बीच संवाद कार्यपालिका स्तर की कूटनीति को पूरक बनाते हुए विश्वास, समझ और सहमति को बढ़ावा दे सकता है। इससे राष्ट्रीय नीतियों को वैश्विक लोकतांत्रिक मानकों के अनुरूप ढालने में सहायता मिलती है, साथ ही संप्रभुता और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान भी बना रहता है।

महत्वपूर्ण यह रहा कि सम्मेलन का विमर्श केवल आदर्शवाद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आज लोकतंत्र के सामने मौजूद वास्तविक खतरों को भी खुले रूप में स्वीकार किया गया। सत्तावादी प्रवृत्तियाँ, संस्थाओं का कमजोर होना और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में जनता का घटता विश्वास जैसी चुनौतियों पर गंभीर चिंतन हुआ। इस बात पर व्यापक सहमति बनी कि लोकतंत्र केवल परंपरा के बल पर जीवित नहीं रह सकता, बल्कि उसे निरंतर नवीकरण, आत्म–संशोधन और जनभागीदारी की आवश्यकता होती है।

ऐसे सम्मेलन इस सत्य की याद दिलाते हैं कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को समय के साथ विकसित होना ही होगा, तभी वे प्रासंगिक और विश्वसनीय बनी रह सकती हैं। कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन ने यह स्पष्ट किया कि सामूहिक चिंतन और सहयोग के माध्यम से लोकतंत्र को ठोस और सार्थक रूप से सुदृढ़ किया जा सकता है। सांसदों के बीच संवाद को प्रोत्साहित कर, संस्थागत श्रेष्ठ प्रथाओं को मजबूत कर और समकालीन चुनौतियों का सामना करते हुए यह सम्मेलन वैश्विक लोकतांत्रिक शासन की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। अनिश्चितताओं और परिवर्तन के इस युग में ऐसे मंच यह विश्वास दोहराते हैं कि लोकतंत्र, अपनी सभी सीमाओं के बावजूद, मानव समाज की सबसे समावेशी और उत्तरदायी शासन प्रणाली है, और इसकी वास्तविक शक्ति साझा सीख, पारस्परिक सम्मान तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में निहित है।

नजरिया

बज उठी है बंगाल में चुनावी महासंग्राम की रणभेरी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

पश्चिम बंगाल में अभी चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनावों की तिथियां घोषित नहीं की है मगर पूरा प्रदेश चुनावी शोर शराबे में डूब गया है। चुनाव की रणभेरी बज उठी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी कमान संभाल ली है। उनके दौरे शुरू हो चुके है। मोदी ने लोगों से बंगाल में ममता के जंगलराज को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया है।प्रधानमंत्री ने अपनी इन रैलियों में घुसपैठ तथा कानून व्यवस्था को भाजपा के मुख्य चुनावी मुद्दों के रूप में सामने रखा। यह चुनाव ममता और मोदी के मध्य सीधी जंग है। दोनों और से चुनाव की दुंदुभी बज़ चुकी है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के लिए यह करो और मरो का चुनाव है। दोनों ही पार्टियां साम दाम दंड भेद के साथ चुनावी संघर्ष में कूद चुकी है। विधानसभा चुनाव जैसे–जैसे नजदीक आ रहे हैं वैसे वैसे भाजपा और टीएमसी के बीच सियासी टकराव बढ़ता ही जा रहा हैं। भाजपा ने विधानसभा चुनाव की सियासी जंग फतह करने के लिए अपना एजेंडा सेट करना शुरू दिया है तो टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी अपनी सत्ता को बचाए रखनी की कवायद में है। देश की सत्ता पर भाजपा तीसरी बार काबिज है, लेकिन बंगाल में अभी तक कमल नहीं खिल सका है। नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा को बंगाल में उम्मीद की किरण दिखाई दी है, जिसके चलते 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले ममता बनर्जी के सियासी दुर्ग में भाजपा अपनी सियासी बेस को बनाने की एक्सरसाइज शुरू कर दी है। बंगाल में एनडीए का मतलब भाजपा और इंडिया गठबंधन का अर्थ टीएमसी है। लोकसभा और विधान सभा में कांग्रेस और कम्युनिष्टों का सूपड़ा साफ़ हो चुका है। बंगाल में एनडीए का मतलब भाजपा और इंडिया गठबंधन का अर्थ टीएमसी है। लोकसभा और विधान सभा में कांग्रेस और कम्युनिष्टों का सूपड़ा साफ़ हो चुका है। ममता इंडिया में जरूर है मगर बंगाल के चुनाव में किसी भी सहयोगी पार्टी को पास फटकने नहीं दे रही है। एनडीए में भाजपा को छोड़कर किसी सहयोगी दल का अस्तित्व नहीं है। ऐसे में भाजपा और टीएमसी में सीधा मुकाबला होगा। ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है तो भाजपा ममता की चालों को धराशाही करने के लिए कमर कस ली है। बंगाल का चुनाव बेहद दिलचस्प और धूम धड़ाके वाला होगा और पूरे देश की निगाह इस पर टिकी होंगी।

बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष कराना चुनाव आयोग के सामने बड़ी चुनौती है। यहाँ रक्तरंजित चुनाव से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रमुख दलों ने अभी से बड़ी बड़ी रैलियों का आगाज कर प्रचार शरू कर दिया है। पार्टियों में रोज ही मारकाट होती है। एक दूसरे पर हमले हो रहे है। बीजेपी जिस तरह से ममता बनर्जी को हिंदुत्व के मुद्दे पर घेरने में जुटी है, उसके जवाब में ममता बनर्जी बंगाल की अस्मिता का मुद्दा बना सकती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने बीजेपी के हिंदुत्व पॉलिटिक्स के सामने मां, माटी और मानुष के भरोसे सियासी जंग फतह करने में कामयाब रहीं। बीजेपी 2026 के चुनाव में जिस तरह हिंदुत्व के मुद्दे को धार देने में जुटी है, उसके चलते माना जा रहा है कि ममता बनर्जी फिर से बंगाल अस्मिता वाले हथियार का इस्तेमाल कर सकती हैं।

पश्चिम बंगाल में 34 साल तक एक छत्र शासन करने वाले कम्युनिष्टों को सत्ताच्युत कर ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी तृणमूल का झंडा फहराया। ममता की टीएमसी 2011 से पश्चिम बंगाल में सत्ता में है। इससे पूर्व 1977 से 2011 तक पहले दिग्गज नेता ज्योति बासु और फिर बुद्धदेब भट्टाचार्य ने राज सत्ता की कमान संभाली थी। 2011 के चुनाव में ममता ने कम्युनिष्टों का शासन ऐसा उखाड़ा की आज उनका नाम लेवा भी वहां नहीं बचा है। देश की सियासत में दीदी के नाम से मशहूर हुई ममता बनर्जी। ममता को बंगाल की शेरनी भी कहा जाता है। सूती धोती और मामूली चप्पल ममता की पहचान है। वे विधिवत निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं। पार्टी हाई कमान भी वे स्वयं हैं और अपने सभी प्रकार के निर्णय खुद ही लेती हैं। इसमें किसी का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करतीं। ममता धरातलीय नेता हैं। ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की स्थापना 1 जनवरी, 1998 को की थी। उस दौरान ममता को लगा था की कांग्रेस में रहकर कम्युनिष्टों को नहीं हटाया जा सकता। तभी वो कांग्रेस से अलग हो गयी और अपनी क्षेत्रीय पार्टी बना ली।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पेरिस में भारतीयों के 'जय महाराष्ट्र' के नारे लगाने की घटना ने सार्वजनिक आचरण पर बहस छेड़ी

मुंबई/भाषा। पेरिस में एक 'स्ट्रीट परफॉर्मर' के पास भारतीय पुरुषों के एक समूह द्वारा 'जय महाराष्ट्र', 'जय शिवसेना' और 'छत्रपति शिवाजी महाराज की जय' जैसे नारे लगाये जाने के एक वायरल वीडियो ने सार्वजनिक आचरण को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है।फ्रांस की राजधानी के भीड़भाड़ वाले मोंटमार्ट्रे इलाके में बनाये गए इस वीडियो में एक व्यक्ति को मूक कलाकार (शारीरिक हावभाव और चेहरे के भावों के माध्यम से कहानी कहने वाला व्यक्ति) के कंधे पर हाथ रखकर नारे लगाते देखा जा सकता है, जबकि अन्य लोग भी उसके साथ शामिल हो जाते हैं।कलाकार स्पष्ट रूप से असहज दिखाई देता है और उन्हें रुकने के लिए इशारे करता है, लेकिन उसकी गुहार अनसुनी कर दी जाती है और भारतीय नारे लगाना जारी रखते हैं।इस घटना ने नैतिकता, विदेश में सार्वजनिक व्यवहार और सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रवाद के इस तरह के प्रदर्शन जैसे मुद्दों पर बहस छेड़ दी है। वीडियो में एक व्यक्ति को मूक कलाकार के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए और जोर-जोर से नारे लगाते देखा जा सकता है। हालांकि, कलाकार उसे चुप रहने का इशारा करता है, लेकिन वह व्यक्ति जोर से नारे लगाता रहता है, यहां तक कि समूह के अन्य लोग भी नारे लगाना शुरू कर देते हैं।

उस व्यक्ति को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समर्थन में नारे लगाते हुए भी सुना गया, जिससे कई लोगों ने यह कयास लगाया कि वह शिंदे के गृह क्षेत्र ठाणे से होगा।

लेखक सूरज कुमार बौद्ध ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पेरिस में भारतीय पर्यटकों की मूर्खता। उन्होंने एक 'स्ट्रीट परफॉर्मर' को भी परेशान किया, जो शांतिपूर्वक अपनी कला का प्रदर्शन कर रहा था। कलाकार ने उन्हें जय महाराष्ट्र, जय शिवाजी जैसे नारे लगाने और उसके साथ रील बनाने से रोका, और यह सब उसकी निजता का जरा भी सम्मान किए बिना किया गया। शर्मनाक! एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ने कहा, इन लोगों को देश से निकाल देना चाहिए और जीवन भर के लिए देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

साल 2025 में अल्पसंख्यकों से जुड़ी ज्यादातर घटनाएं 'गैर-सांप्रदायिक' थीं : बांग्लादेश

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में 2025 के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों से जुड़ी ज्यादातर घटनाएं आपराधिक प्रकृति की थीं और सांप्रदायिक उद्देश्यों से प्रेरित नहीं थीं। अंतरिम सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बयान से कुछ दिन पहले, नौ जनवरी को भारत ने ढाका पर दबाव डाला कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों से तेजी से और दृढ़ता से निपटे। भारत ने घटनाओं को बाहरी कारणों से जोड़ने के प्रयासों को चिंताजनक बताया था।

पिछले कुछ हफ्तों में बांग्लादेश में कई हिंदुओं की हत्या की पृष्ठभूमि में भारत ने यह प्रतिक्रिया दी थी।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय द्वारा जारी बयान में आधिकारिक पुलिस रिकॉर्ड की एक साल की समीक्षा का हवाला देते हुए कहा गया है कि जनवरी से दिसंबर 2025 के बीच समूचे बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़ी कुल 645 घटनाएं दर्ज की गईं। इसमें कहा गया है, हालांकि हर घटना चिंता का विषय है, लेकिन आंकड़े एक स्पष्ट और साक्ष्य-आधारित तस्वीर पेश करते हैं: अधिकांश मामले सांप्रदायिक प्रकृति के बजाय आपराधिक प्रकृति के थे।

बयान के अनुसार, 645 घटनाओं में से 71 में सांप्रदायिक तत्व पाए गए।इनमें मंदिर में तोड़फोड़ के 38 मामले, आगजनी के आठ मामले, चोरी का एक मामला, हत्या का एक मामला और मूर्तियों को तोड़ने की धमकी, सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट और पूजा स्थलों को नुकसान पहुंचाने जैसी 23 अन्य घटनाएं शामिल थीं।

बयान में कहा गया है कि इनमें से 50 घटनाओं में पुलिस मामले दर्ज किए गए और इतनी ही संख्या में गिरफ्तारियां की गईं, जबकि 21 मामलों में अन्य प्रतिरोधक या जांच संबंधी उपाय किए गए। शेष 574 घटनाएं धर्म से असंबद्ध आपराधिक या सामाजिक विवादों से जुड़ी थीं, जिनमें इलाके के विवाद (51), भूमि से संबंधित संघर्ष (23), चोरी (106), व्यक्तिगत दुश्मनी (26), बलात्कार (58) और अप्राकृतिक मौत के 172 मामले शामिल हैं।पुलिस ने इस श्रेणी में 390 मामले दर्ज किए, अप्राकृतिक मृत्यु की 154 रिपोर्ट दर्ज की और 498 गिरफ्तारियां कीं, साथ ही 30 घटनाओं में अतिरिक्त उपाय किए गए। अंतरिम सरकार ने कहा कि रिपोर्ट चुनौतियों से इनकार नहीं करती है...बल्कि, यह व्यापक राष्ट्रीय संदर्भ में अल्पसंख्यक समुदायों को प्रभावित करने वाले अपराध के रुझानों की एक तथ्यात्मक, साक्ष्य-आधारित तस्वीर प्रदान करने का प्रयास करती है।

इस बीच, बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीयूसी) के नेता काजल देबनाथ ने अल्पसंख्यकों से जुड़ी घटनाओं को गैर-सांप्रदायिक के रूप में वर्गीकृत करने के सरकार के फैसले पर सवाल उठाया।

देबनाथ ने कहा, अगर सरकार को लगता है कि ये सांप्रदायिक घटनाएं नहीं हैं, तो सवाल यह उठता है कि क्या कोई कानून को अपने हाथ में ले सकता है? उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे बयान अपराधियों को बढ़ावा दे सकते हैं और उन्हें दंड से मुक्ति का अहसास दिला सकते हैं।

पूछताछ

नई दिल्ली में टीवीके चीफ और एक्टर विजय करूर भगदड़ मामले के सिलसिले में दूसरे राउंड की पूछताछ के बाद सीबीआई हेडक्वार्टर से निकलते हुए।

'दो दीवाने शहर में' 20 फरवरी को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगे। सोमवार को मेकर्स ने टीजर के साथ फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की है।

यह फिल्म वेलेंटाइन सीजन के दौरान रिलीज की जाएगी, जो कि फैंस के लिए एक बड़ा तोहफा है। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर शेयर किया। उन्होंने लिखा, हर इश्क परफेक्ट नहीं होता, पर काफी होता है। इस शहर की एक इंपरफेक्ट लव स्टोरी। फिल्म का टीजर जारी कर दिया गया है और इस वेलेंटाइन पर इश्क से इश्क हो जाएगा। 1 मिनट 8 सेकंड के टीजर में फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, बल्कि 1977 की क्लासिक फिल्म 'घरौंदा' के मशहूर गाने 'दो दीवाने शहर में' पर फोकस किया गया है। इस गाने पर मृणाल और सिद्धांत के किरदार झूमते नजर आते हैं।

यह गाना रुना लैला और भूपेंद्र सिंह ने मिलकर गाया है, और इसके लिरिक्स गुलजार ने लिखे हैं। वहीं, गाने को जयदेव ने डायरेक्ट किया है। वहीं, टीजर की शुरुआत में कपल रोमांटिक अंदाज में दिखाए गए हैं। दोनों एक-दूसरे के साथ प्यार भरे पलों को जीते दिख रहे हैं, लेकिन आखिरी में दर्द और ट्रेजडी दिखाई गई है, जिसे देख अंदाजा लगाया जा रहा है कि ट्विस्ट लाने के लिए फिल्म में इमोशंस, ब्रेकअप या चुनौतियां भी होंगी।

रवि उद्यावर द्वारा निर्देशित फिल्म 'दो दीवाने शहर में' को संजय लीला भंसाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। इसमें प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार भी हैं। फिल्म की कहानी एक अनोखे और खूबसूरत रोमांस को दर्शाती है। फिल्म 20 फरवरी को रिलीज होगी। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इससे पहले फिल्म 'धड़क-2' में तृप्ति डिमरी के साथ नजर आए थे। हालांकि, फिल्म सिनेमाघरों में ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी थी। इसके बाद इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया था।

बिटकॉइन घोटाला मामले में कोर्ट ने राज कुंद्रा को जारी किया समन

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई की एक विशेष पीएमएलए कोर्ट ने बिटकॉइन घोटाले में कारोबारी राज कुंद्रा को समन जारी किया है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की है। इसी मामले में दुबई स्थित कारोबारी राजेश सतीजा को भी समन जारी किया गया है। दोनों आरोपियों को अदालत में उपस्थित होने के लिए निर्देश दिया गया है। ईडी ने सितंबर 2025 में पीएमएलए के तहत दर्ज मामलों की विशेष कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर राज कुंद्रा और राजेश सतीजा को आरोपी बनाया था। जांच एजेंसी के अनुसार, कुख्यात गेन बिटकॉइन पोंजी घोटाले के मास्टरमाइंड और प्रमोटर अमित भारद्वाज ने राज कुंद्रा को यूक्रेन में बिटकॉइन माइनिंग फार्म स्थापित करने के लिए 285 बिटकॉइन दिए थे। हालांकि यह सौदा पूरा नहीं हो सका, लेकिन ईडी का दावा है कि 285 बिटकॉइन अब भी राज कुंद्रा के पास मौजूद हैं, जिनकी मौजूदा कीमत 150 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है।

चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि कुंद्रा ने इस लेनदेन में केवल

मध्यस्थ होने का दावा किया, लेकिन इसके समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज पेश नहीं कर सके।ईडी ने बताया कि 'टर्म शीट' नामक समझौता राज कुंद्रा और महेंद्र भारद्वाज के बीच हुआ था, जिससे यह साफ होता है कि असली समझौता राज कुंद्रा और अमित भारद्वाज के बीच ही था। चार्जशीट में कहा गया है कि कुंद्रा का केवल मध्यस्थ होने का दावा मान्य नहीं है।

जांच एजेंसी का कहना है कि लेनदेन को सात साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद राज कुंद्रा को पांच अलग-अलग किस्तों में मिले बिटकॉइन की सही संख्या याद है।

इससे यह साबित होता है कि वे बिटकॉइन के वास्तविक लाभार्थी थे, न कि सिर्फ मध्यस्थ।ईडी ने आरोप लगाया कि 2018 से अब तक कई मौके दिए जाने के बावजूद राज कुंद्रा उन वॉलेट एड्रेस की जानकारी नहीं दे सके, जिनमें 285 बिटकॉइन ट्रांसफर किए गए थे। कुंद्रा ने इसके लिए अपने आईफोन एक्स के क्षतिग्रस्त होने को कारण बताया। वहीं ईडी ने इसे जानबूझकर सबूत नष्ट करने और अपराध से अर्जित धन को छिपाने का प्रयास बताया है।अदालत ने अब मामले में समन जारी कर दोनों आरोपियों से जवाब मांगा है।

कश्मीर में शूटिंग से उत्साहित हैं निहारिका चौकसे

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस निहारिका चौकसे को जीटीवी के लोकप्रिय शो 'तुम से तुम तक' में दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। शो में प्यारी और मासूम अनु का किरदार निभा रही निहारिका ने हाल ही में कश्मीर में हुई शूटिंग को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। यूनिट ने कश्मीर के खूबसूरत लोकेशन पर शूटिंग की, जहां बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल ने सीन्स को और भी शानदार बना दिया। निहारिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमारी कश्मीर ट्रिप बहुत अच्छी चल रही है। हम यहां अभी तीन और दिनों के लिए हैं और यह शेड्यूल बहुत खास होने वाला है। इसमें शो के सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले पलों में से एक दिखाया जाएगा यानी अनु (निहारिका) और आर्य (शरद केलकर) का प्रपोजल। उन्होंने आगे बताया, आने वाले एपिसोड्स में दर्शक अनु को आर्य सर को बचाते हुए देखेंगे। सभी इमोशनल उतार-चढ़ाव के बाद, आर्य सर आखिरकार अपनी फीलिंग्स जाहिर करेंगे और अनु को प्रपोज करेंगे। यह उनकी जर्नी में एक बहुत महत्वपूर्ण और खूबसूरत मोड़ है। पूरी टीम इसे यादगार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। कश्मीर के बारे में निहारिका ने बताया कि यह उनकी पांचवीं या छठी ट्रिप है। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं कश्मीर आती हूं, तो यह उतना ही नया लगता है। कश्मीर सच में मेरी पसंदीदा जगहों में से एक है और धरती पर स्वर्ग जैसा लगता है। बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल हमारे सीन्स में चार चांद लगा देते हैं।खाने के बारे में उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, हम लोकल खाने का भी मजा ले रहे हैं और बेशक, मैं बहुत सारी मैगी खा रही हूं। इस ठंड में गर्म कटोरी मैगी का स्वाद बहुत शानदार और सुकून देने वाला होता है। शॉट्स के बीच गर्म चीज पीना और नजारों का मजा लेना बहुत अच्छा लग रहा है। शो में अनु और आर्य को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। निहारिका ने फैंस से अपील की, मैं अपने सभी फैंस से कहना चाहूंगी कि आपका इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। अनु और आर्य एक साथ आ रहे हैं और प्रपोजल सीक्वेंस बहुत रोमांटिक और इमोशनल होने वाला है। यह शो के सबसे खूबसूरत पलों में से एक होगा, इसलिए इसे मिस न करें और आने वाले एपिसोड्स के लिए बने रहें।

'धुरंधर 2' सिनेमा के इतिहास में कई सितारों वाली सबसे बड़ी फिल्म बन जाएगी : राम गोपाल वर्मा

नई दिल्ली। फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा को पूरा विश्वास है कि आदित्य धर द्वारा निर्देशित मार्च में रिलीज होने वाली फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमा के इतिहास में कई सितारों वाली 'सबसे बड़ी फिल्म' बन जाएगी। पिछले महीने दिसंबर में रिलीज हुई फिल्म धुरंधर' में रणवीर सिंह ने शीर्ष भूमिका निभाई थी और इसकी कहानी कंधार विमान अपहरण कांड, 2001 के संसद हमले तथा 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए हमलों जैसी भू-राजनीतिक और आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

फिल्म में अक्षय खन्ना, संजय दत्त, सारा अर्जुन, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल सहित अन्य ने भी अहम भूमिका निभाई है। 'धुरंधर' फिल्म की प्रशंसा करने वाले वर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स' पर पोस्ट किया, 'धुरंधर 2' सिनेमा के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्म होगी, क्योंकि फिल्म के पहले भाग में हर किरदार ने दर्शकों के मन में बहुत बड़ी जगह बना ली है।'' निर्देशक ने कहा, पहले भाग (धुरंधर) में किरदार छोटे या बड़े हो सकते थे, लेकिन अब वे सभी बड़े सुपरस्टार बन गए हैं और इसलिए धुरंधर 2' अब तक की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर' फिल्म होगी। फिल्म धुरंधर' ने वैश्विक स्तर पर 1300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। इसका दूसरा भाग 19 मार्च को रिलीज होगा।

रवानगी

गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में हिस्सा लेने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस के लिए रवाना होते हुए ।

रवि किशन ने 'टीवी एक्टर्स को नजरअंदाज' करने वाली धारणा को नकारा, दिया स्मृति ईरानी का उदाहरण

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय टीवी शो 'भाभीजी घर पर हैं' लंबे समय से दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाए हुए है। इस शो के किरदार, डायलॉग्स और हल्की-फुल्की कॉमेडी हर वर्ग को पसंद आती रही है। अब इसी मशहूर टीवी शो को बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी की जा रही है। जल्द ही 'भाभीजी घर पर हैं' नाम से ही एक फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसमें जाने-माने अभिनेता और सांसद रवि किशन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर रवि किशन ने न सिर्फ फिल्म को लेकर अपनी बात रखी, बल्कि टीवी कलाकारों को मिलने वाले सम्मान और उनके भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दों पर भी खुलकर बात की।

ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान जब मीडिया ने रवि किशन से सवाल किया कि आज भी टीवी कलाकारों को उतना सम्मान और पहचान क्यों नहीं मिल पाता जितना बॉलीवुड या दूसरी इंडस्ट्री के कलाकारों को मिलता है, तो इस पर जवाब देते हुए रवि किशन ने स्मृति ईरानी का नाम उदाहरण के तौर पर लिया। उन्होंने कहा, ''स्मृति ईरानी एक समय पर टीवी की बहुत बड़ी अभिनेत्री थीं और उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे सुपरहिट शो में काम किया। बाद में उन्होंने राजनीति में कदम रखा और आज वह देश की बड़ी नेता हैं। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मृति ईरानी को बड़ा अवसर दिया और वह आज केंद्रीय मंत्रिमंडल में एक अहम मंत्री हैं। इससे साफ है कि टीवी कलाकारों को भी अगर सही मौका मिले, तो वे ऊंचे पदों तक पहुंच सकते हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''केवल स्मृति ईरानी ही नहीं, बल्कि कई ऐसे टीवी कलाकार हैं जिन्होंने आगे चलकर फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाया और यहां तक कि राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते। कुछ टीवी कलाकार सांसद बने, कुछ विधायक बने। टीवी इंडस्ट्री से आने वाले कलाकारों के लिए आगे बढ़ने के रास्ते कभी बंद नहीं हुए। मेहनत और

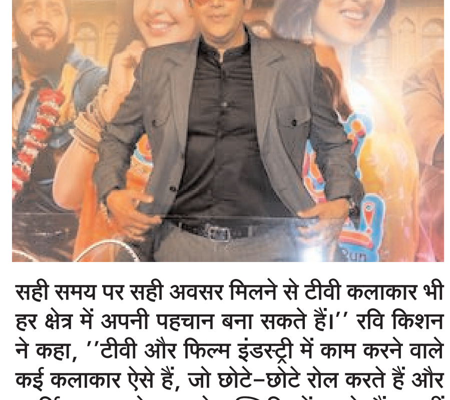

सही समय पर सही अवसर मिलने से टीवी कलाकार भी हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं।'' रवि किशन ने कहा, ''टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कई कलाकार ऐसे हैं, जो छोटे-छोटे रोल करते हैं और आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में रहते हैं। इन्हीं कलाकारों को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा कदम उठाया गया है, संसद में एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया है, जिसका उद्देश्य ऐसे कलाकारों की मदद करना है।''

रवि किशन ने बताया कि इस बिल के जरिए सरकार से मांग की गई है कि उन कलाकारों के लिए पेंशन जैसी योजना लाई जाए, जो जिंदगी भर छोटे रोल करते रहे हैं और बुढ़ापे में उनके पास आय का कोई साधन नहीं होता। उन्होंने कहा, ''कई बार ऐसे कलाकारों के पास रहने के लिए घर तक नहीं होता, इसलिए उन्हें जमीन या मकान देने जैसी योजनाओं पर भी विचार किया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकार होते हैं, जिन्हें कभी-कभी सिर्फ एक डायलॉग बोलने का मौका मिलता है। काम खत्म होने के बाद उनके सामने रोजगार और पैसे की बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है। ऐसे कलाकारों के लिए उन्होंने संसद में आवाज उठाई है।

सनी देओल की 'बॉर्डर' ओटीटी पर स्ट्रीम

मुंबई/एजेन्सी

जब भी हिंदी सिनेमा में देशभक्ति फिल्मों की बात होती है, तो 90 के दशक की कुछ फिल्मों का नाम अपने आप सामने आ जाता है। इन्हीं फिल्मों में सबसे अहम नाम है सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर' का, जिसने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा, बल्कि दर्शकों के दिलों में देशभक्ति की एक गहरी छाप भी छोड़ी। अब, इसके सीक्वल 'बॉर्डर 2' की रिलीज डेट नजदीक है, ऐसे में 1997 में आई इस क्लासिक फिल्म को ओटीटी पर देखना, उस दौर की देशभक्ति और जज्बे को फिर से महसूस करने का बेहतरीन मौका बन गया है। 'बॉर्डर' इस समय अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रही है, जिससे नई पीढ़ी भी इस यादगार कहानी से जुड़ सकती है। साल 1997 में रिलीज हुई 'बॉर्डर' को निर्देशक जे. पी. दत्ता ने बनाया था। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं

पर आधारित थी, खासकर राजस्थान के लोंगेवाला पोस्ट पर हुए ऐतिहासिक युद्ध को इसमें केंद्र में रखा गया। फिल्म ने युद्ध के मैदान की सच्चाई, सैनिकों की रणनीति, सीमित संसाधनों में लड़ाई और देश के लिए दी गई कुर्बानी को बेहद भावनात्मक तरीके से दिखाया। उस समय दर्शकों के लिए यह फिल्म सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि एक अनुभव बन गई थी।

फिल्म में सनी देओल ने लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर का किरदार निभाया था, जो अपने जवानों के लिए प्रेरणादायक कमांडर हैं।

उनका गुस्से और जोश से भरा अभिनय आज भी लोगों को याद है। सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना ने भी अलग-अलग सैनिकों की भूमिकाओं में शानदार काम किया। खासकर अक्षय खन्ना का युवा और संवेदनशील सैनिक का किरदार दर्शकों के दिल को छू गया था। 'बॉर्डर' का संगीत भी इसकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक रहा। 'संदेशे आते हैं' और 'मेरे दुश्मन मेरे भाई' जैसे गाने आज भी देशभक्ति गीतों में गिने जाते हैं। इन गीतों ने सैनिकों और उनके परिवारों के दर्द, इंतजार और जज्बे को बयां किया।

यही वजह है कि फिल्म को न सिर्फ दर्शकों का प्यार मिला, बल्कि कई अवॉर्ड्स और आलोचकों की तारीफ भी हासिल हुई। अब, करीब 28 साल बाद, उसी देशभक्ति की भावना को आगे बढ़ाते हुए 'बॉर्डर 2' बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है और इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे. पी. दत्ता और निधि दत्ता ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। खास बात यह है कि सनी देओल एक बार फिर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

'बॉर्डर 2' भी 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इस बार कहानी का दायरा और बड़ा है। फिल्म में सेना के साथ-साथ नौसेना और वायुसेना की संयुक्त कार्रवाई को दिखाया गया है। 'ऑपरेशन चंगेज' जैसी बड़ी सैन्य रणनीतियों को फिल्म का हिस्सा बनाया गया है। महिला किरदारों में मोना सिंह, सोनम बाजवा, आन्या सिंह और मेधा राणा सैनिकों के परिवारों की भावनाओं को मजबूती से पेश करती नजर आएंगी।

तेयुप गांधीनगर की संगठन यात्रा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभातेयुप द्वारा निर्देशित संगठन यात्रा के अंतर्गत तेयुप गांधीनगर द्वारा गांधीनगर भवन में बैठक का आयोजन किया गया। अभातेयुप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करते हुए परिषद को संस्कार, साधना और संगठन के सूत्रों से जोड़ने की बात कही।

तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यों की जानकारी दी। मंत्री प्रदीप चोपड़ा गत सात माह के कार्यों की जानकारी दी। विभिन्न योजना के राष्ट्रीय सह प्रभारी विकास बाँठिया सहित अन्य सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस बैठक में परिषद से 42 कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन यूथ विंग कर्नाटक की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन यूथ विंग कर्नाटक की कार्यकारिणी बैठक संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य सदस्यों के बीच पारस्परिक परिचय, सहयोग की भावना को सुदृढ़ करना तथा नए वर्ष के लिए संगठन की रणनीति तय करना था। अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया। बैठक में वर्ष 2026 के लिए संगठनात्मक गतिविधियों, नई पहलों, सामाजिक कार्यक्रमों, विचारों और युवाओं को सशक्त बनाने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। व्यापारिक नेटवर्किंग को बढ़ाने, युवा उद्यमियों के लिए अवसर सृजित करने तथा बेंगलूरु के व्यावसायिक समुदाय को एक सशक्त मंच प्रदान करने हेतु ठोस निर्णय लिए गए। इस मौके पर सम्मेलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष बिपिन राम अग्रवाल, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप लुहारीवाला और यूथ विंग के निवर्तमान अध्यक्ष प्रीतम अग्रवाल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के संचालन हेतु संयोजक कुशल दिनोदिया, आयुष अग्रवाला एवं गौरव अग्रवाल के प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष आयुष भीमसारिया, संगठन सचिव पुनीत गोयल, विकास मेहता, राजेश आर एस, हेमंत कुमार, जनसंपर्क अधिकारी राहुल गोयनका आदि उपस्थित थे। सचिव संदीप चनानी ने सभी को धन्यवाद दिया।

क्रिकेट खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अक्कीपेट नवयुवक मंडल के तत्वावधान में आयोजित 'एसवीएसजेएनएम प्रीमियर लीग-5 जैन प्रॉपर्टी बॉक्स क्रिकेट कप' के लिए खिलाड़ी चयन प्रक्रिया रविवार को अक्कीपेट स्थानक में संपन्न हुई। यह चयन प्रक्रिया चिट पद्धति द्वारा हुआ। इस अवसर पर आयोजन समिति ने टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक संतोष बागरेचा सहित सभी प्रायोजकों को धन्यवाद दिया। इस टूर्नामेंट के सभी मैच 8 फरवरी को सेंट्रल कॉलेज ग्राउंड में आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में धर्मेंद्र लुंकड़, पंकज विनायकिया, राजेंद्र बाफना, महावीर भंसाली, महावीर छाजेड़, नमन श्रीश्रीमाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन निर्मल लुंकड़ ने किया।

'जीवन में सरलता को आत्मसात कर ही धर्म व आत्मकल्याण मार्ग की प्राप्ति संभव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जिस प्रकार पत्थर पर फसल नहीं हो सकती उसी प्रकार जीवन में यदि पाप के मार्ग पर चलेऔर कठोरता के साथ रहे तो उस व्यक्ति में विनम्रता और सरलता नहीं आ सकती है तथा सम्यक दर्शन भी प्राप्त नहीं होता है। जिस प्रकार नरम मिट्टी पर बीजारोपण करें तो फसल उगाई जा सकती है, ठीक उसी प्रकार जीवन में सरलता को आत्मसात करें तो धर्म को प्राप्त कर सकते हैं और आत्म कल्याण का मार्ग प्राप्त कर सकते हैं। आत्मा का स्वभाव ऊपर उठने का होता है परंतु पाप कर्मों के कारण आत्मा चारों गति में परिभ्रमण कर भटकती रहती है। आत्मा परमात्मा को ढूंढने के लिए प्रयत्न करती रहती है।

परमात्मा को खोजना नहीं अपितु परमात्मा में खो जाना है तभी हमारी आत्मा का कल्याण हो सकता है। जीवन के आचरण में सरलता के बिना धर्म की प्राप्ति नहीं होती है। महापुरुषों के सान्निध्य में अनेक पाप कर्म करने वाले व्यक्ति भी पाप कर्म का त्याग कर धर्म के सरल मार्ग की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हो जाते हैं। ङ्ग साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि सम्यक दर्शन को प्राप्त किए बिना आत्मा का कल्याण नहीं हो सकता है। राग-द्वेष को जीतने वाले को इंद्र देवता भी नमन करते हैं, इसलिए राग द्वेष को जीतकर शांति के साथ जीवन व्यतीत करना चाहिए तभी आत्मा का कल्याण हो सकता है। जीवन में आत्मा का कल्याण करना है तो सत्य, अहिंसा, दया, अपरिग्रह के सिद्धांतों को समझना होगा। संसार छोड़ने योग्य है और संयम जीवन ग्रहण करने योग्य है। धर्म तत्वों को समझे बिना मोक्ष मार्ग नहीं मिलता है। हम जितने सरल होंगे उतना ही हमारा कल्याण होगा।

जिस प्रकार लकड़ी का स्वभाव हल्का होता है वह पानी पर तैरती है। पत्थर का स्वभाव भारी होता है, वह डूबता है। पुण्य और अच्छे विचार रखेंगे तो ऊपर उठेंगे।

ज्ञानशाला के उत्तीर्ण ज्ञानार्थियों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथी सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर द्वारा संचालित ज्ञानशाला के वार्षिक पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ भवन, हनुमंतनगर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। ज्ञानशाला संयोजिका मंजू दक ने सभी का स्वागत किया। शिशु संस्कार बोध से भाग 5 की परीक्षा में उत्तीर्ण ज्ञानार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ज्ञानशाला ज्ञानार्थियों सहित ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

जीतो लेडीज़ प्रीमियर लीग में 'केकेजी वॉरियर्स' टीम बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो लेडीज विंग, अपेक्स द्वारा इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की जीतो लेडीज़ प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में केकेजी ज़ोन, कर्नाटक, केरल, गोवा की टीम शामिल हुई जिसमें लेडीज़ विंग साउथ एवं नॉर्थ की खिलाड़ी शामिल थे। टीम को प्रशिक्षण कोच दीपक जैन के मार्गदर्शन में लगभग एक माह तक नियमित अभ्यास कर टीम ने अपने सभी लीग मैच जीतते हुए फाइनल तक पहुँची और अंततः उपविजेता बनी।

लेडीज़ विंग साउथ की सारिका मेहता ने लगातार तीन मैचों में वुमेन ऑफ दि मैच के साथ साथ टूर्नामेंट की 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' बनी। केकेजी वॉरियर्स टीम में कप्तान नितिका जैन, उपकप्तान ट्विंकल मुथा की टीम ने उपविजेता का खिताब जीता। टीम के मालिक एनवी प्लस रियल एस्टेट के रमेश हरण ने सभी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। लेडीज़ विंग साउथ की अध्यक्ष बबीता रायसोनी, मुख्य सचिव निधि पालरेचा एवं स्पोर्ट्स संयोजिका साक्षी नाहर सहित नॉर्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ एवं स्पोर्ट्स संयोजिका तनु मेहता ने भी टीम को बधाई दी। इसके अतिरिक्त केकेजी चेयरमैन प्रवीण बाफना एवं केकेजी मुख्य सचिव दिलीप जैन ने टीम के शानदार प्रदर्शन की सराहना की।

चूरू सुपर किंग्स टीम ने सरदारशहर कुबेर टीम को हराकर जीता 'दुधेड़िया कप'

राजस्थान परिषद से किया ग्रैंड आरपीसीएल-6 का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजस्थान परिषद द्वारा आयोजित 'ग्रैंड आरपीसीएल-6 दुधेड़िया कप' का रविवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। परिषद के अध्यक्ष संजय बैद ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों एवं दर्शकों का स्वागत किया। दिनेश मरोठी ने बताया कि ग्रैंड फ़ाइनल मुकाबला सरदारशहर कुबेर टीम एवं चूरू सुपर किंग्स टीम के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सरदारशहर कुबेर ने 12 ओवर में 4 विकेट खोकर 86 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चूरू सुपर किंग्स ने 8.5 ओवर में 3 विकेट पर ही 87 रन बनाकर 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज करते हुए ग्रैंड आरपीसीएल-6 दुधेड़िया कप पर कब्जा किया। इस ङ्गाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ऋषभ धारीवाल को 'मैनआफ दि मैच' के साथ ही 'इमर्जिंग प्लेयर आफ दि टूर्नामेंट' का पुरस्कार दिया गया। मैनआफ दि सीरीज एवं बेस्ट बॉलर का पुरस्कार सौरभ नाहटा, जबकि बेस्ट बैटसमैन आफ दि टूर्नामेंट का खिताब हर्षित दुगड़ ने प्राप्त किया।प्रथम सेमीफाइनल में कर्मा वारियर्स चाडवास को हरा कर चूरू सुपर किंग्स टीम फाइनल में पहुंची और दूसरे सेमी फ़ाइनल में सरदारशहर कुबेर ने राजलदेसर एडोर किंग्स पर अपनी बढ़त बनाकर फ़ाइनल में प्रवेश किया था। ङ्गफाइनल मुकाबले के अवसर पर मुख्य प्रायोजक लक्ष्मीपत दुधेड़िया, हीरालाल मालू, नरपतसिंह चोरड़िया, महेंद्र श्रीमाल, राकेश छाजेड़ तथा कुबेर ग्रुप दिल्ली से विकास मालू की विशेष उपलस्थिति थी। इस प्रतियोगिता में आरपीसीएल चेयरमैन सूरज चिंडालिया, संरक्षक सुनील सुराणा सहित बड़ी संख्या में परिषद के सदस्यों ने फाइनल आयोजन में अपना सहयोग दिया। अंत में सचिव रजत बैद ने सभी खिलाड़ियों, आयोजक टीम, प्रायोजकों, अतिथियों, अंपायरों, कार्यकर्ताओं एवं दर्शकों को धन्यवाद दिया।

भोजपुरी सेवा समिति के स्थापना दिवस पर नई कार्यकारिणी समिति का हुआ चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भोजपुरी समाज सेवा समिति ने रविवार को आस्टिन टाउन स्थित सभागार में 15वां स्थापना दिवस समारोह एवं मकर संक्रान्ति पर्व का आयोजन किया। समिति के संस्थापक अध्यक्ष एवं चेयरमैन संजय सिंह ने दीप प्रज्वलित किया।इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्य परिवारजनों ने भाग लिया। वर्ष भर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज सेवकों को सम्मानित किया गया। सुनीता पांडेय एवं गिरीशचन्द्र पाण्डेय को सर्वश्रेष्ठ युगल कार्यकर्ता के रूप में तथा इंजीनियर अभिषेक सिंह को उनके योगदान के लिए समिति के ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी उदय कुमार सिंह, अधिवक्ता बबिता बॉबी, डॉ विनय सिंह एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उदय कुमार सिंह ने समिति के सदस्यों को निःशुल्क कानून सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की तथा समिति को एक अनुशासित, सुसंगठित संगठन बताया। ङ्ग स्थापना दिवस पर नई कार्यकारिणी समिति का चयन किया गया जिसमें जीतेन्द्रमोहन सिंह, अमरेंद्र ओझा, पुष्कर कुमार को उपाध्यक्ष, सुनीता पांडेय को महामंत्री, किरण पटेल को सांस्कृतिक कार्यक्रम मंत्री, इंदू सिंह को संगठन मंत्री, रामाशंकर सिंह को मुख्य संयोजक, जेपी सिंह को संयोजक, ललितेश्वर प्रसाद सिंह का महासचिव पद के लिए चयन किया गया। संस्थापक अध्यक्ष ने नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

अमेरिका और यूरोप के बीच पहले भी रहे हैं मतभेद

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका और यूरोप के बीच ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर चल रहे विवाद से पहले भी दोनों के रिश्ते कई मौकों पर तनावपूर्ण रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से लेकर आज तक कई बार ट्रांस-एटलांटिक कूटनीतिक मुद्दे सामने आए हैं, जब अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच गहरे मतभेद उभर आए। वर्ष 1956 में जब फ्रांस, ब्रिटेन और इज़राइल ने मिस्र के राष्ट्रपति जमाल अब्दुल नासिर को सत्ता से हटाने और स्वेज नहर पर फिर से नियंत्रण हासिल करने के उद्देश्य से मिस्र पर हमला किया, तो अमेरिका ने इसे रोकने के लिए कड़े कूटनीतिक और आर्थिक दबाव का इस्तेमाल किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

स्वागत में बसंत के

स्वागत में बसंत के प्रकृति ने की है मनोरम तैयारी,
आ गई ऋतुराज बसंत की आनंद खुशनुमा सवारी,
फ़िज़ाओं में घुली ख़ुशबू, कुसुमों के पल्लव पराग की,
और खिल गई बागों में नूतन कलियों की क्यारी ।

चहक रही हैं चिड़िया और पंछी कर रहे मधुरम गान,
झूम रही हैं लताएं खुशी से, छेड़ सप्त स्वरों की तान,
बाँह खोल खड़ी हैं दिशाएं, छटा बिखरी अनुराग की,
और खिले सुनहरे रंग में, जगमग सारे खेत खलिहान ।

बह रही तन मन को आनंद देने वाली सुगंधित बयार,
तितलियाँ कर रहीं गुणगान और भंवरे कर रहे गुंजार,
संचार हुआ नवचेतना का, घड़ी आई अवसाद त्याग की,
और फैला दशों दिशाओं से धरा पर अनन्य प्रेम अपार ।

बसंत के आने से स्पंदित हुआ, जीवन ढेरों खुशियाँ छाई,
सूरज ने ऊर्जा भरी प्राणियों में, सुनहरी किरणें मुस्कुराई,
श्वासों में बढ़ा सुख सुंदर व चमकी चेतना भू भाग की,
और मोह कर सभी को बसंत ने की अंतस में रोशनाई ।

मोनिका डागा, चेन्नई

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

श्रीरामपुरम शांतिनाथ जैन मंदिर का रजत जयंती समारोह 25 से

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शांतिनाथ जैन मंदिर, श्रीरामपुरम के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर पांच दिवसीय वर्षगांठ समारोह का आयोजन 25 जनवरी से किया जा रहा है। यह आयोजन श्रीरामपुरम स्थित पुलिस स्टेशक के सामने हॉस्टल ग्राउंड पर आचार्यश्री की निश्रा में होगा। संघ के चेयरमैन शांतिलाल खिवेंसरा ने बताया कि इस वर्षगांठ समारोह को लेकर क्षेत्र के जैन समाज में विशेष उत्साह है। अध्यक्ष सुरेश भंडारी व मंत्री नरेंद्र आच्छा ने बताया कि इस आयोजन के तहत विशेष धार्मिक अनुष्ठानों, भजन संध्या, संत प्रवचन व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिसकी तैयारियों में पूरा संघ जुटा हुआ है। इस अवसर हेतु मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री व विधायक सुरेश कुमार शामिल होंगे तथा कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। संघ के सिद्धार्थ बोहरा, दिनेश खिवेंसरा, महेश आच्छा, विकास आच्छा एवं कांतिलाल गुगलिया ने विधायक सुरेशकुमार को आमंत्रण पत्र सौंपा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**